सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

वर्ष-01 अंक-08 दुर्ग, रविवार 25 जनवरी 2026 पृष्ठ 08 मूल्य -2 रुपए, संपादक आलोक तिवारी PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

नितिन नबीन राष्ट्रीय अध्यक्ष: संगठन की सत्ता, चुनाव की जंग और भाजपा का निर्णायक मोड़

आलोक तिवारी/नई दृष्टिबिंदु

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन की ताजपोशी किसी शांत संगठनात्मक प्रक्रिया का नतीजा नहीं, बल्कि उस राजनीतिक यथार्थ की स्वीकारोक्ति है जिसमें भाजपा को अब हर मोर्चे पर लड़ाई जीतने वाला सेनापति चाहिए। यह पद अब महज संगठन चलाने का नहीं, बल्कि चुनावी युद्ध संचालित करने का सर्वोच्च केंद्र बन चुका है। नितिन नबीन ऐसे समय अध्यक्ष बने हैं जब सत्ता में रहते हुए भी भाजपा को आत्मसंतोष नहीं, बल्कि आक्रामक अनुशासन और जमीनी पकड़ की जरूरत है।

नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह तंत्र सिर्फ मीटिंगों और प्रस्तावों में नहीं, बल्कि मैदान में सक्रिय दिखे। यह दौर आदेश जारी करने का नहीं, आदेश मनवाने का है।

राज्यवार विश्लेषण

पश्चिम बंगाल: सीधी टक्कर, कोई मध्य मार्ग नहीं यहाँ राजनीति सत्ता और सड़क दोनों पर लड़ी जा रही है। भाजपा के लिए चुनौती सिर्फ ममता बनर्जी नहीं, बल्कि स्थानीय संगठन की निरंतरता है। यह राज्य नितिन नबीन के नेतृत्व की सबसे कठिन परीक्षा बनेगा।

तमिलनाडु: विस्तार या अस्तित्व यहाँ भाजपा का संघर्ष सत्ता से पहले स्वीकार्यता का है। क्षेत्रीय दलों के वर्चस्व में संगठन खड़ा करना, सहयोगियों के साथ संतुलन बनाना—यह रणनीति दिल्ली से नहीं, जमीन से तय होगी।

केरल: विचारधारा बनाम सामाजिक ढांचा केरल में भाजपा की चुनौती वैचारिक है। यहाँ जीत से पहले विश्वसनीय विकल्प बनना जरूरी है। संगठन को आक्रामक नहीं, लगातार और धैर्यवान होना होगा।

असम: सत्ता बचाने की लड़ाई असम में भाजपा सत्ता में है, लेकिन सत्ता विरोधी माहौल और स्थानीय समीकरण चुनौती बने हुए हैं। यह चुनाव बताएगा कि नितिन नबीन डिफेंसिव लड़ाई कितनी कुशलता से लड़ते हैं।

पुदुचेरी: छोटा राज्य, बड़ा संदेश कम सीटों वाला यह केंद्रशासित प्रदेश संगठनात्मक अनुशासन का पैमाना बनेगा। यहाँ जीत का मतलब होगा—मॉडल स्टेट की प्रस्तुति।

अब पोस्टर नहीं, प्रक्रिया चाहिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं, लेकिन अब सिर्फ नाम काफी नहीं। नितिन नबीन को यह सुनिश्चित करना होगा कि— मोदी सरकार की योजनाएँ बूथ तक उतरें कार्यकर्ता सिर्फ प्रचारक नहीं, विश्वसनीय दूत बनें भावनात्मक अपील को संगठित वोट में बदला जाए मोदी फैक्टर अब रणनीति का हिस्सा है, विकल्प नहीं।

युवा और कार्यकर्ता असली पूंजी

नितिन नबीन की नियुक्ति का सबसे बड़ा संदेश है— भाजपा में भविष्य कार्यकर्ता का है। यदि इस कायर्काल में युवाओं को जिम्मेदारी, प्रशिक्षण और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी मिलती है, तो भाजपा का अगला दशक सुरक्षित रहेगा। अगर नहीं, तो संगठन भीतर से थकान महसूस करेगा।

यह पद इतिहास लिखेगा या चेतावनी बनेगा

नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना भाजपा के लिए रूटीन बदलाव नहीं है। यह उस दौर की शुरुआत है जहाँ— संगठन कमजोर हुआ तो सत्ता भी डगमगाएगा अनुशासन चला तो जीत संभव है। इतिहास उन्हें इस बात से नहीं पहचानेगा कि वे अध्यक्ष बने, बल्कि इससे पहचानेगा कि उनके नेतृत्व में भाजपा कितनी संगठित, कितनी आक्रामक और कितनी चुनावी रूप से सक्षम रही।

अध्यक्ष के साथ जमीनी स्तर तक संगठन का मजबूत ढांचा

भाजपा का संगठन एक विशाल मशीन है, और राष्ट्रीय अध्यक्ष उसका कमांडर-इन-चीफ। उनके अधीन— राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन/चुनाव), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सचिव राष्ट्रीय कार्यसमिति प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री जिला, मंडल, शक्ति केंद्र बूथ अध्यक्ष, पन्ना प्रमुख तक पूरा ढांचा काम करता है। इस ढांचे के काम और परिणाम के ऊपर संगठन का पूरी क्षमता प्रदर्शित होती है। नितिन नबीन संगठन के तौले हुए सिपाही हैं।

सत्ता में रहकर चुनाव जीतने की कठिन राजनीति

भाजपा आज जिस स्थिति में है, वहाँ हर चुनाव सत्ता विरोधी माहौल, क्षेत्रीय असंतोष और विपक्षी गठबंधनों से लड़ा जाना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन को यह समझना होगा कि—'अब हर राज्य अलग कहानी है, और हर कहानी का अलग समाधान।'

फोकस

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में किया महत्वपूर्ण शोध

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (CSVTU), भिलाई के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शोध किया गया है। यह शोध 'नॉर्थ वॉल रिफ्लेक्टर युक्त मिश्रित प्रकार के सौर ड्रायर का प्रदर्शन विश्लेषण' विषय पर आधारित है।

यह शोध कार्य शोधार्थी सतीश कुमार द्वारा संपन्न किया गया, जिसका मार्गदर्शन डॉ. शिना शेखर, प्रोफेसर BIT दुर्ग, डॉ. एच. के. घृतलहरे, सहायक प्राध्यापक, UTD, CSVTU भिलाई तथा डॉ. संजय अग्रवाल, प्रोफेसर, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा किया गया। शोधार्थी सतीश कुमार के नाम से अब तक 10 SCI, 2 Scopus तथा 1 UGC-CARE जर्नल प्रकाशन हो चुके हैं। यह शोध सौर ऊर्जा आधारित ड्रायर की कार्यक्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

25 को इस्पात भवन तक प्रस्तावित पदयात्रा स्थगित

नई दृष्टिबिंदु/ भिलाई

भिलाई। सेल-बीएसपी प्रबंधन की निजीकरण की नीति के खिलाफ भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव के साथ रिटेंशन स्कीम और लायसेस के तहत आवंटित आवासधारियों की 25 जनवरी को प्रस्तावित पदयात्रा को स्थिगित कर दी गई है। पहले आवासधारियों के नेतृत्व में 25 जनवरी को भिलाई बिकने नहीं देंगे जन जागरण अभियान के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र भवन तक पदयात्रा निकालने का निर्णय लिया गया थाह्न। जिसे वार्ड दौरा पूर्ण नहीं होने की वजह से पदयात्रा की तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। वार्ड दौरा पूर्ण होने के बाद पदयात्रा निकाली जाएंगी।

बता दें कि विधायक देवेन्द्र ने भिलाई बिकने नहीं देंगे जन-जागरण अभियान के तहत सिविक सेंटर भिलाई में जनता के सहयोग से 5 दिन का उपवास रखा था। जिसके बाद बीएसपी प्रबंधन के साथ जिला प्रशासन की मौजूदगी में त्रिपक्षीय चर्चा हुई थी, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय सेक्टर.-9 को लीज पर नहीं देने, अस्पताल में कार्य करने वाले कमर्चारी और पूर्व कमर्चारियों की सुविधाएं यथावत रखने और मैत्री बाग को किसी भी संस्थान को नहीं देने की सहमति बनी थी। रिटेंशन स्कीम को लेकर प्रबंधन की ओर से संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने की वजह से विधायक यादव ने 15 दिन का समय दिया था। प्रबंधन की ओर से जवाब नहीं आने के बाद 14 जनवरी को जन-जागरण अभियान के तहत वार्ड दौरा शुरू किया है और अब तक टाउनशिप के सेक्टर-2, सेक्टर-3, 4, सेक्टर-6, सेक्टर-7, हुडको, जोन-2 केएलसी खुर्सीपार के रिटेंशन स्कीम और लायसेस के तहत आवंटित आवासधारियों से भेंट मुलाकात कर चुके हैं। जहां लोगों ने इस अभियान की सराहना की है और आंदोलन को क्रमबद्ध जारी रखने के लिए कई सुझाव भी दिए हैं।

राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशस्ति पत्र और डेढ़-डेढ़ लाख की सम्मान राशि से 239 विद्यार्थी को प्रदान किया

प्रदेश के 10वीं और 12वीं परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु/ भिलाई

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज लोक भवन में 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। ये 2024 एवं 2025 के टॉप 10 मेधावी और विशेष पिछडी जनजाति के टॉप 01 विद्यार्थी है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाएं हमारे जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रथम सीढ़ी है। आपने एक पड़ाव पार किया है अब अगले पड़ाव की ओर जा रहे है। जहां एक ओर इस सफलता की प्रेरणा आपको नवीन ऊर्जा के साथ प्रगति का रास्ता प्रशस्त करती है और वहीं यह सम्मान अन्य विद्यार्थियों को मेहनत, लगन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपार संभावनाओं का प्रदेश है। "धान का कटोरा" कहा जाने वाला हमारा राज्य अब शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति बहुत उन्नत है। हमें अपने राज्य की सनातन संस्कृति पर गर्व का भाव होना चाहिए।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी आईआईटी, नीट की परीक्षा देकर इंजीनियरिंग और मेडिकल मे जाना चाहते है लेकिन सभी को सफलता नहीं मिलती है। इसके लिए निराश होने की जरूरत नहीं हैं। नए-नए विषय है जहां आप कैरियर की ऊची उड़ान भर सकते है। धैर्य के साथ आगे बढ़े। गिरना बडी बात नहीं है गिर कर खड़े होना महत्वपूर्ण है। सपना बड़ा होना चाहिए। सपनें को पूरा करने के लिए साधना और अभ्यास करना होता है। उन्होंने मौलिकता और नवाचार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के बच्चें शिक्षा में आगे बढ़ रहे है, यह बहुत सराहनीय है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी हमारे देश एवं प्रदेश के भविष्य हो। आप लोगों के कंधे पर देश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आज जो सफलता आप सभी छात्रों को मिली है निश्चित ही इस सफलता के पीछे आपके शिक्षक गुरुओं एवं माता पिता के आशीर्वाद है। उनके आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं है। इस दौरान उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन और बसंत पंचमी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा हम सब पर सदैव मां सरस्वती का आशीर्वाद बना रहें।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बताया कि सत्र 2024 एवं 2025 के 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के 239 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप मेडल, प्रशस्ति पत्र और प्रत्येक विद्यार्थी को डेढ़-डेढ़ लाख की राशि सीधे उनके खाते में दी गई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को दिए इस प्रोत्साहन से शिक्षा के प्रति उनका रूझान बढ़ेगा और दूसरे विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

कार्यक्रम में वर्ष 2024 के 110 और वर्ष 2025 के 129 टापर विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल प्रदान किया गया साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति के विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। स्वागत उद्बोधन छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी. पिल्ले ने दिया एवं आभार प्रदर्शन सचिव श्रीमती पुष्पा साहू ने किया। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, आशाराम नेताम, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मां परमेश्वरी जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए दुर्ग विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु/ दुर्ग

बसंत पंचमी के पावन पर्व देवांगन समाज की ईष्ट देवी माँ परमेश्वरी जयंती पर दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम थनौंद, विनायकपुर, मंचान्दूर में देवांगन समाज द्वारा मंडल स्तरीय माँ परमेश्वरी जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर शामिल हुए मां परमेश्वरी की पूजा अचर्ना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और वसंत पंचमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।देवांगन समाज द्वारा माँ परमेश्वरी जयंती पर भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई। माँ परमेश्वरी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर विशेष पूजा अचर्ना एवं सेवाभजन किया गया। समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति प्रदान किया।साथ ही समाज के प्रतिभाव छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि देवांगन समाज मेहनती समाज के रूप में माना जाता है राज्य के विकास में समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमारी सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा भी समाज के उत्थान हेतु बुनकरों का कर्ज माफ करने के साथ उनके उत्थान हेतु विभिन्न योजनाएं चलाई गई थीं आगे हमारी विष्णु देव साय सरकार निरंतर समाजों के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही हैं जिसका सीधा लाभ समाज को मिल रहा है।आप सभी से आग्रह करता हूं नशा रूपी जहर से बचना है और अपने बच्चों को संस्कार वान बनाना है। शिक्षित और संस्कारी बच्चों से सभ्य समाज का निर्माण होता हैं।

आगे श्री चंद्राकर ने वसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में बसंत पंचमी का विशेष स्थान है। यह पर्व न केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत देता है, बल्कि जीवन में नई ऊर्जा, उल्लास और सृजनशीलता का संदेश भी देता है। माघ शुक्ल पंचमी को मनाया जाने वाला यह पर्व विद्या, बुद्धि, कला और संगीत की देवी माँ सरस्वती को समर्पित है। बसंत पंचमी के आगमन के साथ ही प्रकृति मुस्कराने लगती है, खेतों में सरसों पीली चादर ओढ़ लेती है और मनुष्य के जीवन में आशा व उत्साह का संचार होता है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप पूर्व विधायक बालमुकुंद देवांगन दुर्ग जिला देवांगन समाज अध्यक्ष पुराणिक देवांगन ,दुर्ग जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रिया साहू जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर सरपंच योगेन्द्र दिल्लीवार जनपद सदस्य संगीता साहू,सरपंच मेनका देशमुख दिनेश देशमुख माखन साहू समाज के अध्यक्ष धनराज देवांगन, संतोष देवांगन रूपेश देवांगन गिरीश देवांगन अनिल देवांगन गोवर्धन देवांगन सहित बड़ी संख्या में समाज गंगा के लोग उपस्थित रहे।

स्पर्धा हिंदी-यूएसए सेंट लुईस की 8वीं वार्षिक हिंदी कविता प्रतियोगिता 2026 में जुटे दुनियाभर के हिंदी भाषा

भिलाईवासियों ने अमेरिका में फहराया हिंदी का परचम, कविताओं से दर्शाया भाषा प्रेम

नई दृष्टि बिंदु/भिलाई

हिंदी भाषा को अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर और ज्यादा प्रसारित करने में उल्लेखनीय कार्य कर रही अमेरिका की संस्था हिंदी-यूएसए सेंट लुईस की ओर से हाल ही में 8वीं वार्षिक हिंदी कविता प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। महात्मा गांधी सेंटर, सेंट लुईस, मिसूरी में हुई इस प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि इससे भारत सहित अन्य देशों के लोग भी निर्णायक व प्रेक्षक के तौर पर ऑन लाइन जुड़े। इस पूरे आयोजन में अमेरिका में निवासरत भिलाई के मयंक जैन-अंशु जैन दंपति की प्रमुख भूमिका रही।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्तरों से 130 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 25 विद्यार्थियों को उनके हिंदी शिक्षण स्तर पर विजेता और 27 अन्य बच्चों को उभरते सितारे के रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के संस्थापक भिलाई निवासी मयंक-अंशु जैन दंपति के स्वागत उद्बोधन से हुई। इसके पश्चात भारत और अमेरिका के राष्ट्रगान प्रस्तुत किए गए। अगले चरण में प्रतिष्ठित समाजसेवी अशोक कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर अमेरिका के मिसौरी राज्य के कोषाध्यक्ष विवेक मलिक की गरिमामयी उपस्थिति रही। मलिक यहां मिसौरी में किसी भी राज्य स्तरीय पद पर नियुक्त होने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी हैं। वहीं शिकागो से पहुंची शिखा मेहता ने निर्णायक एवं विशेष अतिथि के तौर पर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। शिखा वतर्मान में हिन्दी क्लब ऑफ इलिनॉय की सह-सचिव महिला काव्य मंच शिकागो की कायर्कारी उपाध्यक्ष हैं।

इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन जूम के माध्यम से भारत से जुड़े सम्मानित अतिथियों में दिल्ली से विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. बिपिन कुमार एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.पी. मिश्रा सहित भिलाई छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन , राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल में विज्ञान विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, डीन (अंतरराष्ट्रीय संबंध) पी के पुरोहित, दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदी के शोधार्थी और युवा कवि कौशल गोंडवी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में गिल्बर्ट पनेला (डायरेक्टर, न्यू अमेरिकन्स झ सेंट लुईस मेयर कार्यालय), दयाकर वीरलापति, सीईओ एस 2 टेक, हिंदू स्वयंसेवक संघ, सेंट लुईस शाखा के अध्यक्ष शिवा सीतारमन, सेंट लुईस भारतीय संस्कृति संस्था के अध्यक्ष शशिकांत गजराज एवं समाज सेवी वैशाली ठाकरे भी शामिल हैं। सेंट लुईस समुदाय से पूर्व हिंदी यूएसए शिक्षिका ऋतु महेश्वरी एवं अमेरिका के फेडरल रिजर्व बैंक में कार्यरत फाल्गुन एच. दवे ने निर्णायक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मयंक जैन ने प्रतिभागियों, विजेताओं एवं ह्यउभरते सितारेह्न पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सभी समर्पित शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों के अथक प्रयासों और निस्वार्थ सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। हिंदी यूएसए कविता प्रतियोगिता के सफल संचालन का दायित्व सुची खंडेलवाल, नम्रता त्रिपाठी, वंदना सिंह एवं निधि चौधरी ने निभाया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सुप्रसिद्ध अभिनेता नीतिश भारद्वाज ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सुप्रसिद्ध फिल्म एवं टीवी अभिनेता नीतिश भारद्वाज ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नीतीश भारद्वाज का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट से निर्मित महुआ वृक्ष की कलाकृति तथा बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट जनजातीय कला, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए इनके संरक्षण और संवर्धन के प्रयासों की जानकारी भी साझा की। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

परियोजना उतई में राष्ट्रीय बालिका दिवस सह महिला जागृति शिविर का आयोजन

दुर्ग। परियोजना दुर्ग ग्रामीण के सेक्टर उतई में परियोजना स्तरीय राष्ट्रीय बालिका दिवस सह महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू रहीं। वहीं विशेष अतिथि के रूप में पार्षदगण रमशिला नेताम, विजयलक्ष्मी साहू, सविता गौतम, संगीत रजक, लता सोनवानी एवं ममता चंद्राकर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के आरंभ में परियोजना अधिकारी श्रीमती उषा झा ने बालिकाओं को एनीमिया के कारण, लक्षण एवं उपचार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आयरन एवं विटामिन युक्त भोजन जैसे पालक, दाल, ड्राई फ्रूट्स आदि के सेवन की सलाह दी। सेक्टर उतई की पयर्वेक्षक प्रमिला वर्मा ने छात्राओं को विभिन्न विषयों पर जागरूक करते हुए गुड टच-बैड टच के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित है।

नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्राओं को पढ़ाई में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पयर्वेक्षक तृप्ति शर्मा ने किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए माहवारी स्वच्छता तथा अंकुरित अनाज के सेवन के लाभ बताए। रक्षा टीम द्वारा आत्मसुरक्षा के तरीके बताए गए। वहीं डॉ. दुर्गेश वर्मा ने बच्चों को सही पोषण व्यवहार के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत रैली निकाली गई।

ओडिशा के निजी अस्पताल में आदिवासी परिवार से अमानवीयता, 6 दिन तक कैद रखे गए तीन लोग

15 हजार न दे पाने पर मां, नवजात और मासूम को बनाया बंधक

नई दृष्टिबिंदु/गरियाबंद/रायपुर

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से सटे ओडिशा के कालाहांडी जिले में मानवता को शमर्सार करने वाला मामला सामने आया है। यहां डिलीवरी के बाद 15 हजार रुपये नहीं चुका पाने पर एक आदिवासी महिला, उसकी नवजात बच्ची और तीन साल के बेटे को निजी अस्पताल प्रबंधन ने छह दिनों तक बंधक बनाकर रखा। पीड़ित परिवार भुजिया जनजाति से है और बेहद गरीबी की स्थिति में जीवन यापन कर रहा है।

मामला धर्मगढ़ स्थित मां भंडारणी क्लिनिक का है, जहां गरियाबंद जिले के मैनपुर ब्लॉक अंतर्गत मूचबहल गांव के मालिपारा वार्ड निवासी नवीना चींदा (23) को 18 जनवरी को लेबर पेन होने पर भर्ती कराया गया था।

नॉर्मल डिलीवरी के बाद मांगी गई मोटी रकम

परिजनों के अनुसार, अस्पताल में भर्ती के समय 5 हजार रुपये जमा किए गए थे। उसी दिन नॉर्मल डिलीवरी हुई और नवीना ने एक बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने 20 हजार रुपये का बिल थमा दिया और शेष 15 हजार रुपये तत्काल चुकाने का दबाव बनाया।

परिवार ने असमर्थता जताते हुए कुछ समय मांगा और भरोसा दिलाया कि पैसे का इंतजाम कर दिया जाएगा, लेकिन इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने मां, नवजात और तीन साल के बेटे को अस्पताल

में ही रोक लिया।

पैसों के इंतजाम में गांव लौटी सास

पीड़िता की सास दोषो बाई ने बताया कि पैसे जुटाने के लिए वह 21 जनवरी को गांव लौटी थीं। उनका बेटा मजदूरी के लिए बाहर है और तत्काल पैसे भेजने में असमर्थ था। उन्होंने बताया कि नवीना का पति आंध्र प्रदेश के ईंट भट्टे में मजदूरी करता है, जबकि परिवार का एक अन्य सदस्य झारखंड में काम करता है। बावजूद इसके, किसी तरह से रकम का इंतजाम नहीं हो पाया।

पहले भी इसी अस्पताल में बिक चुका है सब कुछ

दोषो बाई ने बताया कि तीन साल पहले नवीना की पहली डिलीवरी भी इसी अस्पताल में ऑपरेशन से हुई थी, जिसमें 85 हजार रुपये का बिल बना था। उस समय इलाज के लिए परिवार को सोना-चांदी तक बेचनी पड़ी थी।

गरीबी और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था से उपेक्षा के चलते इस बार भी मजबूरी में निजी अस्पताल का रुख किया गया।

सरकारी व्यवस्था से भी नहीं मिली मदद

परिजनों का आरोप है कि गर्भावस्था के दौरान मितानिन एक-दो बार घर जरूर आईं, लेकिन न तो कोई कार्ड बना और न ही किसी तरह की नियमित निगरानी या सरकारी सुविधा मिली। पिछली बार स्थानीय उपस्वास्थ्य केंद्र ने भर्ती करने से इनकार कर दिया था, इसी डर से इस बार परिवार ने ओडिशा जाने का फैसला किया।

मीडिया पहुंचा तो बदला रुख

मामला जब मीडिया के संज्ञान में आया और पत्रकार जवाब लेने अस्पताल पहुंचे, तो क्लिनिक संचालक ने सफाई देते हुए कहा कि अगर परिवार ने पहले ही पैसों की दिक्कत बताई होती तो उन्हें जाने दे देते। इसी दौरान संचालक चैतन्य मेहेर ने कैमरा बंद करवा दिया। इसके बाद आनन-फानन में मां, नवजात और तीन साल के बेटे को एंबुलेंस से गांव भेज दिया गया।

कानूनी कार्रवाई की मांग

इस पूरे मामले ने निजी अस्पतालों की मनमानी और गरीब, आदिवासी परिवारों के शोषण को एक बार फिर उजागर कर दिया है। मानवाधिकार संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई, सीमा पार स्वास्थ्य संस्थानों की निगरानी और पीड़ित परिवार को मुआवजा व सुरक्षा देने की मांग की है। यह मामला सिर्फ एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि सवाल है— क्या इलाज अब इंसान का हक नहीं, बल्कि उसकी औकात से तय होगा?

खेल, अनुशासन और उत्साह का संगम

महर्षि दयानंद आर्य विद्यालय सेक्टर-6 का वार्षिक स्पोर्ट्स डे जोश और उमंग के साथ संपन्न

नई दृष्टिबिंदु/ भिलाई

महर्षि दयानंद आर्य विद्यालय, सेक्टर-6 का सालाना स्पोर्ट्स डे 21 जनवरी को स्कूल मैदान में बड़े उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अनुशासित और आकर्षक मार्च पास्ट से हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अवनी भूषण पुरंग एवं विशेष अतिथि श्री रवि आर्य उपस्थित रहे। साथ ही आर्य समाज के सदस्य श्री प्रवीण गुप्ता एवं श्रीमती कमलेश आर्य की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि श्री अवनी भूषण पुरंग ने अपने उद्बोधन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता को नहीं बढ़ाते, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि ह्लएक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है और खेल बच्चों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।ह्व उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने मार्च पास्ट, दौड़, कबड्डी, स्लो साइकिलिंग, भाला फेंक एवं जलेबी दौड़ जैसे विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष आकर्षण के रूप में माता-पिता एवं शिक्षकों के लिए भी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बड़े उत्साह से सहभागिता निभाई।

स्लो साइकिलिंग प्रतियोगिता में शिवांश, शिवा एवं वरशित विजेता रहे, जबकि जलेबी दौड़ (कक्षा 1) में आरुष महतो, श्रीधर एवं ऋषभ ने सफलता हासिल की। कबड्डी प्रतियोगिता में दयानंद सदन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की।

कार्यक्रम का समापन विद्यालय की प्राचार्य अंजू ठाकुर द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन के. राजी ने किया।

कलिंगा यूनिवर्सिटी में भिलाई टाइम्स के फाउंडर ने सिखाए मीडिया स्टार्टअप, कंटेंट क्रिएशन और मोनेटाइजेशन के गुर

डिजिटल पत्रकारिता की पाठशाला बने यशवंत साहू

नई दृष्टिबिंदु/ भिलाई

डिजिटल युग में पत्रकारिता केवल खबर लिखने तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह स्टार्टअप, ब्रांड और प्रभाव का सशक्त माध्यम बन चुकी है—इसी सोच के साथ भिलाई टाइम्स के फाउंडर यशवंत साहू ने कलिंगा यूनिवर्सिटी, रायपुर में आयोजित मीडिया स्टार्टअप वर्कशॉप में भावी पत्रकारों को डिजिटल मीडिया की बारीकियां सिखाईं।

वर्कशॉप के दौरान देश के भविष्य के पत्रकारों के साथ गंभीर संवाद, व्यावहारिक उदाहरण और लाइव डेमो के माध्यम से यह बताया गया कि कैसे डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म खड़ा किया जाए, कंटेंट को प्रभावशाली बनाया जाए और उसे आर्थिक रूप से टिकाऊ किया जाए।

70 छात्रों को मिला प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस

इस वर्कशॉप में पैनल डिस्कशन, पॉडकास्ट का लाइव रिकॉर्डिंग डेमो, डिजिटल मीडिया ब्रांडिंग की रणनीति जैसे विषयों पर करीब 70 पत्रकारिता छात्रों को प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया।

सीनियर जर्नलिज्म का मार्गदर्शन

कार्यक्रम में यशवंत साहू के साथ वरिष्ठ पत्रकार देवेश तिवारी भी उपस्थित रहे। दोनों ने मिलकर छात्रों को बताया कि विश्वसनीयता, निरंतरता और कंटेंट क्वालिटी ही किसी भी मीडिया ब्रांड की असली ताकत होती है।

संवाद, सवाल और समाधान

छात्रों के मन में डिजिटल मीडिया को लेकर अनेक सवाल थे— क्या आज पत्रकारिता में करियर सुरक्षित है? यूट्यूब, वेबसाइट और सोशल मीडिया से कमाई कैसे होती है?

न्यूज ब्रांड कैसे बनाया जाता है?

इन सभी सवालों के जवाब खुले संवाद के जरिए दिए गए, जिससे छात्र खासे उत्साहित नजर आए। यशवंत साहू ने इस अवसर पर कहा—युवाओं में पत्रकारिता को लेकर जो ऊर्जा और जिज्ञासा है, वही देश के मीडिया का भविष्य तय करेगी। उन्होंने कलिंगा यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता विभागाध्यक्ष योगेश वैष्णव का विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने यह मंच उपलब्ध कराया।

खैरागढ़ में दो बाइकों के बीच भिड़ंत, एक बाइक सवार की मौत, दो गंभीर

नई दृष्टिबिंदु/खैरागढ़

शहर के पिपरिया मार्ग पर विवेकानंद पब्लिक स्कूल के आगे पुलिया के पास शाम लगभग 5 बजे के आस पास 2 बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। भिड़ंत इतनी भयानक थी कि बाइको के परचरडे उड गये। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और घटलो को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हिरो होंडा डिलक्स बाइक क्रमांक CG 08 A 5396 में सवार होकर देवरी निवासी वेदप्रकाश वर्मा और सोमनाथ गोंड खैरागढ़ से पिपरिया की ओर जा रहे थे और बाइक वेदप्रकाश वर्मा चला रहा था । वही दूसरा व्यक्ति अपनी पल्सर बाइक

क्रमांक CG 08 BB 5774 में सवार होकर जगमोहन नेताम जो छुईखदान में वेटनरी विभाग में असिस्टेंट फिल्ड अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और वह अपनी ड्यूटी पूरी कर अपने निवास स्थान छुईखदान से खैरागढ़ आ रहा था और दोनों की बाइक विवेकानंद पब्लिक स्कूल के आगे पुलिया के पास आपस में भिडंत हो गई,जिसमें हिरो होंडा डिलक्स में सवार देवरी निवासी सोमनाथ गोंड पिता रूपलाल गोंड,उम्र 22 के सिर और सीने में गंभीर चोटे आई,जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।। दो घायलो को जिसमें वेदप्रकाश वर्मा और जगमोहन नेताम को सिविल अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज जारी है।। एक युवक जगमोहन नेताम को हाथ और पैर पर गंभीर चोटे आई है जिसे सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रिफर किया गया है।वही वेदप्रकाश वर्मा जो बाइक चला रहा था और मृतक का साथी है, उसके भी पैर पर गंभीर चोट आई है, उसका सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही टीआई अनिल शर्मा दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक कारर्वाई करते हुए घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया। समाचार लिखे जाने तक मृतक के परिजन अस्पताल नहीं पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम परिजनों की उपस्थिति में कल सुबह कराया जाएगा।इस हादसे के बाद क्षेत्र व गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

शंकराचार्य कौन? सनातन के शिखर पर सत्ता-संघर्ष और साधना की हार!

संदीप सिंह/ नईदिल्ली

जिस पद को आदि शंकराचार्य ने भारत की आत्मा को एक सूत्र में पिरोने के लिए रचा था, वही पद आज अदालतों, गुटों, बयानों और राजनीतिक इस्तेमाल की चौपाल बन चुका है।

सवाल सीधा है—

क्या शंकराचार्य अब भी धमर्गुरु हैं, या किसी वैचारिक सत्ता-संघर्ष का मोहरा बन चुके हैं? हजार साल की परंपरा, चंद दशकों का झगड़ा चार मठ—श्रृंगेरी, द्वारका, पुरी और ज्योतिर्मठ—सनातन की रीढ़ रहे हैं।

यहाँ न चुनाव हुआ, न प्रचार, न प्रेस कॉन्फ्रेंस। गुरु ने शिष्य चुना, शिष्य ने परंपरा निभाई। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि एक ही पीठ पर दो-दो दावेदार, एक-दूसरे को अवैध, और श्रद्धालु को असमंजस में छोड़ दिया गया है। यह सिर्फ विवाद नहीं—यह सनातन की विश्वसनीयता पर चोट है।

ज्योतिर्मठ: जहां साधना हार रही है, मुकदमा जीत रहा है

उत्तराखंड का ज्योतिर्मठ—जिसे बद्रीनाथ की पीठ कहा जाता है—आज धर्म नहीं, दस्तावेजों से पहचाना जा रहा है। यहाँ शंकराचार्य की पहचान— गुरु परंपरा से नहीं, तप से नहीं, वेदांत से नहीं बल्कि कोर्ट केस नंबर से होने लगी है। यह दृश्य डराता है। जब धर्म अदालत में अपनी वैधता ढूंढने लगे, तो समझिए संकट गहरा है।

पुरी शंकराचार्य: संत या सियासी योद्धा?

पुरी पीठ के शंकराचार्य के बयान अक्सर सत्ता के गलियारों तक हलचल मचा देते हैं। राम मंदिर से लेकर राजनीति, जाति, संविधान और सरकार—सब पर मुखर राय। समर्थक कहते हैं यही तो सच्चा संत है, जो सच बोलता है। विरोधी सवाल उठाते हैं— क्या शंकराचार्य का काम राजनीतिक टिप्पणी करना है? यहीं से विवाद और तेज हो जाता है।

राजनीति की एंट्री: धर्म का इस्तेमाल, संतों की चुप्पी

आज राजनीतिक दल—शंकराचार्य के बयान को हथियार बना रहे हैं अपनी सुविधा से उनका समर्थन या विरोध कर रहे हैं। और जब राजनीति प्रवेश करती है, तो धर्म सबसे पहले घायल होता है। विडंबना यह है कि जिस पद को राजनीति से ऊपर होना चाहिए था, वह आज राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है।

एक शंकराचार्य या कई?

सबसे बड़ा सवाल— क्या एक पीठ पर एक ही शंकराचार्य होगा, या जितने गुट—उतने शंकराचार्य? अगर यह चला, तो आने वाले समय में—हर असंतुष्ट शिष्य अपना मठ बनाएगा। हर विवाद अदालत पहुँचेगा और शंकराचार्य पद एक ब्रांड नेम बन जाएगा। यह सनातन के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

श्रद्धालु पूछ रहा है—हम किसे मानें?

आज आम हिंदू भ्रमित है— कौन असली शंकराचार्य है? किसका प्रवचन सुना जाए? किसके आदेश मान्य हैं? जब धर्म मार्गदर्शन देने की जगह खुद सवालों में घिर जाए, तो समाज दिशाहीन हो जाता है।

समाधान क्या है या सब यूँ ही चलता रहेगा?

अब भी समय है— चारों पीठ मिलकर स्पष्ट आचार संहिता बनाएँ उत्तराधिकार की प्रक्रिया सार्वजनिक करें सरकार और अदालतें सीमा रेखा तय करें और शंकराचार्य स्वयं आत्ममंथन करें वरना इतिहास माफ नहीं करेगा।

शंकराचार्य का पद सत्ता का सिंहासन नहीं, यह संयम, साधना और मौन की ऊँचाई है। अगर यह पद भी विवादों, बयानों और मुकदमों में उलझ गया, तो नुकसान किसी एक पीठ का नहीं— पूरे सनातन धर्म का होगा। शंकराचार्य जितने ऊँचे आसन पर हैं, उतनी ही ऊँची उनसे अपेक्षा भी है।

राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन आज

भिलाई। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज का प्रादेशिक स्तरीय सम्मेलन व युवक युवती परिचय सम्मेलन 25 जनवरी को भिलाई।, राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज का प्रादेशिक स्तरीय सम्मेलन/ सम्मान समारोह/ युवक युवती परिचय सम्मेलन 25 जनवरी को समय 10 बजे सतनाम भवन, गौरव पथ, सिविल लाइन दुर्ग में आयोजित किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुवे कार्यक्रम संयोजक एवं राष्ट्रीय महासचिव शशि कांत तिवारी ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्य क्रम में छत्तीसगढ़ शासन से उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्य अतिथि प्रेम प्रकाश पाण्डे, अध्यक्षता ललित मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि राकेश पाण्डे, अध्यक्ष खादी ग्रामोद्योग छत्तीसगढ़ शासन केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, विभा अवस्थी, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, डॉ वणिर्का शर्मा अध्यक्ष राज्य बाल संरक्षण आयोग राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

निराशा बस गलती इतनी है कि हम छत्तीसगढ़िया हैं

कथावाचक युवराज पांडे का दर्द भरा बयान वायरल, प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

नई दृष्टि बिंदु/रायपुर

छत्तीसगढ़ के मशहूर कथावाचक युवराज पांडे इन दिनों सोशल मीडिया और यूट्यूब पर जबरदस्त सुखिर्यों में हैं। उनके प्रवचनों के वीडियो पहले से ही लाखों लोगों तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार वजह सिर्फ कथा नहीं, बल्कि कथा के मंच से निकला छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान और पीड़ा का वो बयान है, जिसने हर संवेदनशील व्यक्ति को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में कथावाचक युवराज पांडे कथा के दौरान बेहद भावुक अंदाज में कहते नजर आते हैं— बस गलती इतनी है कि हम छत्तीसगढ़िया हैं-और कोई गलती नहीं है।

इतनी भीड- लेकिन एक भी पुलिसकर्मी नहीं

वायरल वीडियो में युवराज पांडे प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहते हैं बड़े दुख की बात है इतनी बड़ी भीड़ है, इतना जनसैलाब है, लेकिन सुरक्षा के लिए दो पुलिसकर्मी

भी खड़े नहीं हैं। क्या ये भीड़ प्रशासन को दिखाई नहीं देती? उनका यह बयान सिर्फ शिकायत नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर अनदेखी का आरोप माना जा रहा है।

कलश यात्रा में चोरी, भक्तों ने छोड़ी कथा

कथावाचक युवराज पांडे ने वीडियो में यह भी बताया कि कथा के प्रारंभिक दिन कलश यात्रा के दौरान कई श्रद्धालुओं की माला चोरी हो गई, जिससे कई भक्त आहत होकर कथा में ही नहीं आए।

उन्होंने कहा कई लोगों की माला चोरी हो गई, इसके बाद कई श्रद्धालु कथा सुनने भी नहीं आए। इतनी बड़ी भीड़ होने के बाद भी एक भी सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। यह बयान प्रशासनिक तैयारियों पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

युवराज पांडे का यह कथन—बस गलती इतनी है कि हम छत्तीसगढ़िया हैं। अब सिर्फ एक वाक्य नहीं रहा, बल्कि छत्तीसगढ़ की उपेक्षा, असमान व्यवहार और क्षेत्रीय पीड़ा का प्रतीक बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर लोग इसे छत्तीसगढ़िया समाज के साथ हो रहे भेदभाव से जोड़कर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर समर्थन की बाढ़

वीडियो वायरल होते ही—फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, पर हजारों लोग युवराज पांडे के समर्थन में उतर आए हैं।

कई यूजर्स लिख रहे हैं— ये सिर्फ कथावाचक की बात नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ की आवाज है।

सवाल जो अब प्रशासन से पूछे जा रहे हैं

अब सबसे बड़ा सवाल यह है— क्या इतनी बड़ी धार्मिक सभा में सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी तय नहीं थी? क्या प्रशासन ने भीड़ और संभावित खतरे का आकलन नहीं किया? क्या छत्तीसगढ़ में धार्मिक आयोजनों को हल्के में लिया जा रहा है? कथावाचक युवराज पांडे का यह बयान किसी राजनीतिक मंच से नहीं, बल्कि धर्म और आस्था के मंच से निकला आक्रोश है। यह वीडियो अब सिर्फ वायरल कंटेंट नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनशीलता की परीक्षा बन चुका है।

पहले भौतिक सत्यापन फिर करेंगे उठाव, हर स्टेक की होंगी पूरी जाँच

7 करोड़ का धान चूहे खाने के बाद नया आदेश, 27 जनवरी से खरीदे गए धान का अलग से बनाना है स्टेक

नई दृष्टि बिंदु/ दुर्ग

प्रदेश में धान खरीदी चल रही है, इस बीच 7 करोड़ का धान चूहो ने खा लिए, इस खबर के बाद शासन सकते में आ गई है। इसके बाद अब दुर्ग कलेक्टर ने नया फरमान जारी कर दिया है। अब तक दुर्ग जिले के धान खरीदी केंद्र में रखे हर धान के बोरे की जाँच की जाएगी। अधिकारी जब पूरी तरह जाँच कर भौतिक सत्यापन रिपोर्ट तैयार कर लेंगे तब टीओ और डिपो जारी होगा।

सिर्फ इतना ही नहीं अब 27 जनवरी से जितने भी धान खरीदे जाएंगे उसका स्टेक अलग से बनाया जायेगा। मतलब आने वाले दिनों में खरीदी गई धान को अलग से रखना है। अल्लाह की प्रशासन में यह व्यवस्था गड़बड़ी रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए की है परंतु इस नए आदेश से जिले के धान खरीदी केंद्र के संचालक तनाव में आ गए हैं. क्योंकि जिले के 102 खरीदी केंद्रों में से 50 से ज्यादा केंद्र बफर लिमिट से बाहर है। लगभग केंद्र भर चुके है, धान रखने की जगह नहीं है।

खरीफ विपणन वर्ष 2025झ26 में समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी को लेकर कलेक्टर दुर्ग ने सख़्त रुख अपनाते हुए पारदर्शिता और वास्तविकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विस्तृत आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि धान खरीदी प्रक्रिया मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप ही संचालित की जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

परिवहन पर भी होगी सख़्त निगरानी

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भौतिक सत्यापन के बाद ही डीओ/डीओ के माध्यम से धान का परिवहन किया जाएगा। बिना सत्यापन के किसी भी स्थिति में परिवहन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले में 23 जनवरी 2026 तक की गई धान खरीदी का भौतिक सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसके लिए अनुविभागवार भौतिक सत्यापन दलों का गठन किया गया है, जिनमें प्रशासन, खाद्य विभाग, अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है।

अनुविभागवार सत्यापन दल गठित कर दुर्ग, धमधा, पाटन, अहिवारा/भिलाई-3 एवं बोरई अनुविभागों के लिए अलग-अलग सत्यापन दल बनाए गए हैं। ये दल खरीदे गए धान की वास्तविक उपलब्धता, स्टॉक की मात्रा, किसानों की संख्या, गुणवत्ता तथा ऑनलाइन दर्ज प्रविष्टियों का मिलान करेंगे।

नवनियुक्त उपनिरीक्षकों की पदस्थापना आदेश रद्द किया जाना संदेहास्पद

नई दृष्टि बिंदु/ रायपुर

पीएससी से चयनित आबकारी उप निरीक्षकों की पदस्थापना आदेश तीन घण्टा में निरस्त होने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा आबकारी मंत्री ने चढ़ावा के लिए आबकारी उप निरीक्षकों की पदस्थापना आदेश को तीन घण्टा के भीतर निरस्त कर दिया।

भ्रष्टाचार

कांग्रेस ने लगाया आबकारी मंत्री पर आरोप

विभागीय मंत्री और कमिश्नर की लड़ाई में नवनियुक्त उप निरीक्षक परेशान हो रहे है। जबकि शासन के नियमानुसार तृतीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी की पहली पोस्टिंग करने कमिश्नर सक्षम अधिकारी है तो क्या विभागीय मंत्री को नियमों की जानकारी नही है। जब 12 दिसम्बर 2025 को शासन ने पदस्थापना आदेश दिया है फिर मंत्री को क्या आपत्ति है। कमिश्नर विभागीय सचिव से अनुमोदन लेने की जानकारी दे रहे फिर सचिव इंकार क्यो कर रहे है। इसकी जांच होनी चाहिये।

प्रदेश कॉंग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा आबकारी मंत्री के द्वारा पदस्थापना आदेश को निरस्त करना बड़ी लेनदेन कर मनमाफिक पोस्टिंग देने की षड्यंत्र की ओर ईशारा कर रही है।भाजपा सरकार का मूल काम कमीशन खोरी और भ्रष्टाचार करना। चाहे वो ट्रांसफर पोस्टिंग हो या विभागीय काम बिना मोटी रकम दिये बिना होती नही है। भाजपा सरकार में बड़ी अजीब स्थिति है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा आबकारी उप निरीक्षकों की पदस्थापना आदेश को रद्द करने की आदेश को तत्काल रद्द किया जाये। उपनिरीक्षकों की पदस्थापना पहली आदेश के अनुसार जिलों में किया जाये।

नेहरू नगर की सिवरेज पाईप लाईन नवीनीकरण के लिए 25.42 करोड़ स्वीकृत, विधायक रिकेश ने उप मुख्यमंत्री का माना आभार

नई दृष्टि बिंदु/भिलाईनगर

नेहरू नगर क्षेत्र में जर्जर सिवरेज पाईप लाईन नवीनीकरण कार्य के लिए 25 करोड़ 42 लाख रुपए की स्वीकृति मिलने पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव का आभार व्यक्त किया है।

श्री सेन ने कहा कि सिवरेज पाइपलाइन नवीनीकरण एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रक्रिया है जो क्षेत्र के स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए रीढ़ की हड्डी का काम करती है। समय के साथ पुरानी पाइप लाइनें अपनी क्षमता और मजबूती खो देती हैं, जिससे कई तरह की परेशानियां पैदा होती हैं।

नेहरू नगर में पुरानी पाइप लाइनें अक्सर 30-40 साल पुरानी होती हैं, जो उस समय की जनसंख्या के हिसाब से बिछाई गई थीं। अब उनको बदलना अनिवार्य हो गया था। क्षेत्र में श आबादी बढ़ने से सीवेज का लोड बढ़ गया और पुरानी और कम व्यास वाली पाइप लाइनें इसे नहीं झेल पा रही थीं। पाइप फटने से गंदा पानी जमीन के अंदर रिसता है, जो न केवल नींव को कमजोर करता है बल्कि पीने के पानी की पाइप लाइनों को भी दूषित कर सकता है।

लंबे समय से नेहरू नगर क्षेत्र में अक्सर पाइप चोक होने के कारण गंदा पानी मैनहोल से बाहर निकल कर सड़कों पर बहने लगता था। नई और बड़ी पाइप लाइन डलने से 'बैक-फ्लो' की समस्या खत्म होगी और सड़कें साफ रहेंगी।

राज्य शासन से उन्होंने अनेक ऐसे क्षेत्र की सिवरेज लाईन बदलने के लिए प्रस्ताव भेजा है। नेहरू नगर क्षेत्र के लिए 15वें वित्त आयोग से मिलियन प्लस सिटीज के टाईड ग्राण्ट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत सिवरेज पाईप लाईन नवीनीकरण कार्य कराये जाने हेतु 25.42 करोड़ की स्वीकृति मिली है, जो कि वैशाली नगर विधानसभा के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है।

भेंट

राज्यपाल से सौजन्य मुलाकात की नए पुलिस आयुक्त

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में रायपुर के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने सौजन्य मुलाकात की। पुलिस आयुक्त ने राज्यपाल को कानून व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी। राज्यपाल श्री डेका ने उन्हें जनभावनाओं के अनुरूप बेहतर शान्ति और कानून-व्यवस्था बनाने रखने की शुभकामनाएं दी।

बिना दस्तावेज के मतदाता सूची से किसी का नाम नहीं हटाया जाएगा

नई दृष्टि बिंदु/ खैरागढ़

अध्यक्ष मुस्लिम समाज खैरागढ़ एवं समस्त मुस्मिल शहर खैरागढ़ द्वारा एस.आई.आर. में शहर खैरागढ़ के वार्डो में नाम काटने के फर्जी शिकायतकताओं के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने एवं वार्डो के मतदाताओं का नाम यथावत रखने के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (खैरागढ़) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 73-सौरागढ़ के समक्ष उपस्थित होकर बुधवार 21 जनवरी 2026 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।। साथ ही निवेदन किया है,कि वे जन्म के वर्षो से ही यहाँ निवासरत हैं।। ऐसी स्थिति में फर्जी शिकायत के आधार पर हमारा नाम एस.आई.आर. के दौरान न काटा जाये।। इसी प्रकार नगर व क्षेत्रवासी नगर पंचायत छुईखदान के कुछ मुस्लिम आवेदकगण के द्वारा भी उक्ताशय का आवेदन तहसीलदार छुईखदान एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष बुधवार 21 जनवरी 2026 को प्रस्तुत किया है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उपरोक्त आवेदन पत्रों के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (खैरागढ़) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 73-खैरागढ़ को अवगत कराया गया है कि नियनानुसार विधानसभा क्षेत्र का कोई भी निर्वाचक किसी अन्य निर्वाचक का मतदाता सूची में नाम शामिल होने के संबंध में दावा/आपत्ति कर सकता है। तथापि उक्त आवेदन को गंभीरता से लिया जावे तथा बिना पर्याप्त आधार एवं सम्यक दस्तावेजी प्रमाण के बिना किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलोपित न किया जावे। इस संबंध में आवेदनकताओं को भी अवगत करा दिया जावे।

भिलाई की एटमास्टको लिमिटेड बनी राष्ट्रीय सुरक्षा की भागीदार -राज्यपाल

उल्लेखनीय कार्य

राज्यपाल डेका ने भिलाई में एटमास्टको लिमिटेड की बुलेटप्रूफ जैकेट एवं हेलमेट फैक्ट्री का किया उद्घाटन

नई दृष्टि बिंदु/ दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल रमेन डेका आज दुर्ग जिले के प्रवास के दौरान नंदनी स्थित रक्षा उपकरण निमार्ता कंपनी एटमास्टको लिमिटेड की बुलेटप्रूफ जैकेट एवं हेलमेट निर्माण इकाई के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने फीता काटकर फैक्ट्री का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधा रोपण किया। उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि आज भिलाई के औद्योगिक केंद्र से उभरती एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी देखकर बेहद खुशी हो रही है। 35 वर्षो से अधिक समय से,

एटमास्टको समूह छत्तीसगढ़ के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, यह साबित करते हुए कि स्थानीय विशेषज्ञता वास्तव में राष्ट्रीय स्तर की सफलता हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि सन 1987 में भिलाई में एक छोटी सी शुरूआत से, एटमास्टको एक शक्तिशाली औद्योगिक ताकत के रूप में विकसित हुई है। एक महत्वपूर्ण मोड़ फरवरी 2024 में आया, जब एटमास्टको लिमिटेड ने एनएसई पर सूचीबद्ध होकर आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय स्तर पर कदम रखा।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि यह एक ऐसी कंपनी है जो जिम्मेदारी के महत्व को समझती है। यह कंपनी हर साल 20 हजार मीट्रिक टन भारी इंजीनियरिंग निर्मित स्टील का उत्पादन करती है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह समुदाय के लिए जीवन रेखा है, जो उन्हें सर्विस देते हैं। छत्तीसगढ़ के भिलाई में स्थित एटमास्टको ने टाटा स्टील, अडानी, वेदांता, एलएंडटी, भेल, एनटीपीसी जैसी अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी करते हुए देशभर में कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा एवं स्टील परियोजनाओं का सफलतापूर्वक निष्पादन किया है। इनमें जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर निर्मित विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल भी शामिल है। यह दो हजार परिवारों को आजीविका प्रदान करती है और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सालाना 350 करोड़ रुपये का योगदान देती है। जब हम अपने राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की बात करते हैं, तो हम एटमास्टको की बात कर रहे होते हैं। हालांकि, आज हम एटमास्टको पर इतनी बारीकी से नजर इसलिए रख रहे हैं क्योंकि उन्होंने रक्षा क्षेत्र में साहसिक कदम रखा है। 2025 में एटमास्टको डिफेंस सिस्टम्स की स्थापना के साथ, उन्होंने बुनियादी ढांचे के निर्माण से हटकर लोगों की जान बचाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। डीआरडीओ से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्राप्त करने के बाद, वे अब हमारे सशस्त्र बलों और पुलिस के लिए जीवन रक्षक बुलेटप्रूफ जैकेट और बीआईएस मानकों के 6 स्तर के बैलिस्टिक हेलमेट का निर्माण कर रहे हैं। भिलाई स्थित एक कंपनी को हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते देखना गर्व का क्षण है।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि अगले तीन वर्षो के लिए विकास योजना भी उतनी ही प्रभावशाली है। अनुमान है कि एटमास्टको से अतिरिक्त 250 नौकरियां सृजित होंगी और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 350 करोड़ रुपये का अतिरिक्त योगदान होगा। किसी ब्रांड का 35 वर्षो तक अपनी विरासत को बरकरार रखते हुए इतना फुतीर्ला और रचनात्मक बने रहना दुर्लभ है। भारी इस्पात से लेकर बैलिस्टिक सुरक्षा तक, एटमास्टको लिमिटेड न केवल विकास कर रही है, बल्कि भारत को अधिक सुरक्षित और मजबूत बनाने में भी योगदान दे रही है। मैं चाहता हूँ कि वे हमारे देश के लिए अपना योगदान जारी रखें।

इस अवसर पर संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंग, आईजी अभिषेक शांडिल्य एसपी विजय अग्रवाल, एसपी एटमास्टको डिफेंस सिस्टम्स के डायरेक्टर विजय चंदर अय्यर, एमडी स्वामीनाथन, सचिव सीआर प्रसन्ना, ग्रुप सीईओ जी चन्द्रशेखर सहित बड़ी संख्या में कंपनी के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

निरीक्षण — बच्चों से संवाद व उपलब्ध शैक्षणिक, पोषण, मूलभूत सुविधाओं की ली जानकारी

स्कूल और आंगनबाड़ी पहुँचे केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, नागरिकों के साथ किया वार्ड का भ्रमण

नई दृष्टि बिंदु/ दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के जनता से मुलाकात करने केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव वार्ड पहुँचे और आमजन से सीधा संवाद किये। इस दौरान वार्ड क्रमांक 15 करहीडीह क्षेत्र का भ्रमण कर नागरिकों की समस्याओं को मौके पर सुने और त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मॉर्निंग विजिट के दौरान केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव करहीडीह स्थित शासकीय स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किये और बच्चों से उपलब्ध शैक्षणिक, पोषण एवं मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लिए। मौके पर उपस्थित संबंधित स्टाफ को बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर पोषण एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि शिक्षा की नींव मजबूत हो और हर बच्चे को समान अवसर मिले।

इसके पश्चात करहीडीह क्षेत्र में वार्ड भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों से विकास कार्यो की जानकारी लिए। क्षेत्र के नागरिकों द्वारा वार्ड डोमशेड सीमेंटीकरण सड़क, नाली, शेड निर्माण सहित विभिन्न मूलभूत आवश्यकताओं से मंत्री श्री यादव को अवगत कराये। इस पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने नागरिकों के सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ आवश्यक कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

करहीडीह वार्ड में उपस्थित नागरिकों से शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते अधिक से अधिक लाभान्वित होने अपील किए। उन्होंने नागरिकों का भरोसा दिलाया वार्ड को विकसित बनाने और भी विकास कार्य किये जायेंगे।

अंबागढ़-चौकी के किसान खोमन साहू की आत्महत्या सरकार प्रायोजित हत्या-दीपक

नई दृष्टि बिंदु/ रायपुर

धान नहीं बिकने से परेशान मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी जिला के ग्राम बोहरभेड़ी निवासी किसान खोमन साहू की आत्महत्या को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार प्रायोजित हत्या बताया है। भाजपा सरकार लगातार किसानों के धान नहीं खरीदने का बहाना बना रही है, अड़चने पैदा कर रही, जिसमें किसान परेशान होकर आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे है। सरकार किसानों का टोकन नहीं कटने दे रही, रकबा सरेंडर करवा रही, कोठार सत्यापन करवा कर परेशान कर रही है। जिसके कारण किसानो में बेचैनी है और किसान आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा रहे है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी में गिनती के तीन-चार दिन बचे है। अभी तक प्रदेश के 9.5 लाख से अधिक किसान धान नहीं बेच पाये है। इस कारण किसानों में अफरा-तफरी का माहौल है। सरकार ने टोकन काटना भी बंद कर दिया है। जिसके कारण किसान हताश हो गये है। सरकार आत्महत्या करने वाले किसान के परिजनों को 1 करोड़ का मुआवजा दे।

सरकार धान खरीदी का समय बढ़ाये, सभी किसानों का धान खरीदे

खोमन साहू के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजा दिया जाये

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि टोकन की समस्या से किसान पूरी धान खरीदी के दौरान जूझते रहे हैं, विगत दिनों टोकन के लिए सोसायटी के चक्कर काट कर थक चुके महासमुंद जिले के सेंधभाटा के किसान मनोबोध गाडा ने अपना गला रेत लिया था, कोरबा जिले के किसान बैशाखू मरकाम जहर खाने मजबूर हुये, कल रायगढ़ जिले के खरसिया विकासखंड के बकेली में 15 दिनों से टोकन के लिए भटक रहे किसान कृष्ण कुमार गबेल ने हताश होकर कीटनाशक पी कर आत्महत्या का प्रयास किया। सरकार की अकर्मण्यता और दुर्भावना से किसान बे-मौत मरने मजबूर हैं। टोकन नहीं कटने के कारण किसानो को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी हो रही है, धान खराब होने की आशंका है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि धान खरीदी की तिथि 1 माह बढाई जाये। ऑनलाइन टोकन काटने की बंद प्रक्रिया फिर शुरू की जाये तथा सभी सोसायटियों में आफलाइन टोकन देना भी शुरू किया जाये। सरकार यह सुनिश्चित करें कि प्रदेश के हर किसान का दाना-दाना धान सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदी की जायेगी। किसानों को धान बेचने से रोकने बिना सहमति जबरिया रकबा सरेंडर करवा दिया गया।

दिल्ली व दिल से दूरी घटाने की कवायद

संपादकीय...

जम्मू और कश्मीर के भेदभाव रहित विकास का द्योतक तो हैं ही, सामाजिक-आर्थिक संरचना को सुव्यवस्थित करने के साथ ही चीन और पाकिस्तान को सामरिक सशक्तीकरण और आधुनिकीकरण का संदेश भी है।

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए 2025 की शुरुआत से सौगातें बरस रही हैं। जनवरी के पहले सप्ताह में जम्मू को नया रेल मंडल और दूसरे सप्ताह कश्मीर के गांदरबल में सोनमर्ग सुरंग का शुभारंभ हुआ है। सुखद संकेतों का सिलसिला 26 जनवरी और फरवरी में पेश होने वाले बजट में भी नजर आया तो नए सियासी समीकरण भी बनना तय है। हालिया तोहफे जम्मू और कश्मीर के भेदभाव रहित विकास का द्योतक तो हैं ही, सामाजिक-आर्थिक संरचना को सुव्यवस्थित करने के साथ ही चीन और पाकिस्तान को सामरिक सशक्तीकरण और आधुनिकीकरण का भी संदेश है। पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद विधानसभा चुनाव के क्रम में दोनों फैसलों से पता चलता है कि केंद्रशासित प्रदेश की सरकार ने सही परिप्रेक्ष्य में समझ कर योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू कर दिया है। दोनों सरकारों में बढ़ी समझदारी बता रही है कि जम्मू-कश्मीर में राज्य का अध्याय जल्द शुरू नहीं होगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राज्य के दर्जे की बहाली की मांग मानने से पहले मोदी सरकार भाजपा के राजनीतिक विस्तार की बुनियाद को कश्मीर में भी मजबूत करने में कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

अनुच्छेद 370 से मुक्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर को शेष देश के रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए तेजी से बढ़े कदमों का नतीजा है कि जम्मू के साथ कश्मीर भी भारत का 'अभिन्न अंग' वास्तविक तौर पर अब होगा। कश्मीर से कन्याकुमारी ही नहीं, कच्छ, कामरूप और कोलकाता से कश्मीर के जुड़ाव से सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता के अलावा आध्यत्मिक और धार्मिक गतिविधियों को विस्तार मिलेगा। पर्यटन को पंख लगेंगे तो आर्थिकी की रफ्तार बढ़ेगी और फिर जम्मू के लखनपुर से लद्दाख के लेह तक के लोगों का कायाकल्प होना तय है। यही नहीं, केंद्र ने जम्मू में बनाए गए 742 किलोमीटर के रेल मंडल के रूप में पंजाब के पठानकोट, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, धर्मशाला शहर के अलावा माता ज्वाला देवी, माता चामुंडा देवी शक्तिपीठ के साथ ही केंद्रशासित लद्दाख के लेह को इसके दायरे में लाकर सीमावर्ती क्षेत्रों तक सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ और सुसंगठित करने का इरादा जता दिया है।

दरअसल, कश्मीर घाटी को रेलवे रूट से जोड़ने की योजना 1997 में बनी थी। करीब तीन दशक की मशक्कत के बाद यह सपना सच हो रहा है। अब नया कश्मीर नजर आने लगा है। जल्दी ही जम्मू-श्रीनगर के बीच चलने वाली ट्रेनें माता वैष्णोदेवी के साथ कश्मीर में मार्तंड सूर्य मंदिर के भी दर्शन कराएंगी। साथ ही अनंतनाग-बिजबेहड़ा-पहलगाम के अलावा अवंतीपोरा-शोपियां (28 किलोमीटर) रेल लाइन का सर्वे चल रहा है। इसके निर्माण के बाद बाबा बर्फानी के दर्शनार्थी और पर्यटक सुखद और रोमांचक यात्रा का आनंद ले सकेंगे। साथ ही नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा प्रहरियों की पहुंच शीघ्र सुनिश्चित करने के लिए बारामुला-उड़ी, बारामुला-कुपवाड़ा, जम्मू-पुंछ वाया अखनूर-राजोरी और मनवाल वाया रामकोट-बिलावर-दुनेरा नई रेलवे लाइन बिछाने की डीपीआर बनाई जा रही है। बारामुला-बनिहाल रेलवे लाइन के दोहरीकरण का भी प्रस्ताव है। फिलहाल, सोनमर्ग की सुरंग ने लद्दाख के साथ हर मौसम में संपर्क का रास्ता खोल दिया है। आगे के सुगम मार्ग के लिए जोजिला इसका अगला पड़ाव है। अब केंद्रशासित प्रदेश के बजट से जम्मू-कश्मीर को बड़ी उम्मीदें हैं। बजट के प्रावधान और रियायतें केंद्र के अगले लक्ष्य की ओर इशारा करेंगे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसके मद्देनजर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का गंभीर आर्थिक हालत पर ध्यान दिलाया है। उन्होंने केंद्र से गुहार लगाई है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्वोत्तर के राज्यों की श्रेणी में रखा जाए, जिसमें इन राज्यों को कर्ज देने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। वे चाहते हैं कि पूंजीगत निवेश में विशेष सहायता के लिए उन्हें 50 साल के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिए जाने वाले प्रदेशों की सूची में भी शामिल किया जाए। यहां जानना जरूरी है कि 2024-25 के बजट में केंद्र शासित प्रदेश में छह हजार करोड़ का राजस्व घाटा है। जीडीपी के मुकाबले कर्ज की राशि तेजी से बढ़ रही है। आर्थिक स्थिति और समन्वय का अभाव ही है कि विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को तीन महीने बाद जनवरी में केवल एक महीने का वेतन मिल पाया है। नई सरकार ने 16 अक्तूबर को शपथ ली थी। 'दिल्ली से दूरी' और 'दिल की दूरी' कम करने के लिए जम्मू-कश्मीर में कम करने के लिए 42 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। दूसरी तरफ आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर की कवायद भी है। इस बीच राज्य के दर्जे की बहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिल चुके मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला वर्तमान परिस्थितियां समझ गए हैं। वह सियासी संशय दूर कर सरकार का सफर समझदारी से पूरा करना चाहते हैं। सरकार बनने के बाद उमर ने अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग से भी किनारा कर लिया है। आठ नवंबर, 2024 को विधानसभा के उद्घाटन सत्र में पारित प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 की वापसी के बजाय जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य के दर्जे की मांग की गई है।

प्रधानमंत्री की प्रशंसा और कांग्रेस से दूरी बनाने के बावजूद उन्हें राज्य के दर्जे की बहाली के लिए बार-बार याद दिलाने के साथ 'उचित समय' का इंतजार करना होगा।

नदियों में स्नान समृद्ध परंपरा का मान

एक व्यक्ति नदी किनारे से घड़े भर-भर खेतों की तरफ पानी फेंकने लगा तो किसी राहगीर ने पूछा ये क्या कर रहे हो? उस व्यक्ति का जवाब था कि वह अपने उन खेतों को पानी दे रहा है जो यहां से चार मील दूर हैं। राहगीर ने पूछा, अरे पगले! इतनी दूर पानी जायेगा कैसे? सज्जन बोला, जब भक्त लोग सूर्य को पानी देते हैं तो वह करोड़ों मील दूर सूर्य तक पहुंच जाता है जबकि मेरे खेत तो सिर्फ चार मील दूर हैं। बेचारा राहगीर चुपचाप आगे बढ़ चला।

अब कैसे समझाया जाये कि अर्घ्य दिया हुआ जल सूरज तक पहुंचाना आस्था और भक्ति-भाव का प्रश्न है। कुछ कर्म प्रतीक स्वरूप किये जाते हैं। नदियों-तालाबों के प्रति हमारी आस्था उतनी ही पुरानी है जितनी मानव सभ्यता। हमने नदियों को मां तुल्य स्वीकारा है और उसे पूजा है। उसके जल में ताम्बे के सिक्के चढ़ाये जाने की भी परम्परा है। नदियों और कुओं में सिक्के चढ़ाने के पीछे का विज्ञान आज के बुद्धिजीवियों के लिये समझ से परे हो गया है। पर उन्हें कौन बताये कि ताम्बे के सिक्के से पानी की शुद्धता में वृद्धि होती थी। पहले सब लोग नदियों और कुओं का ही पानी पीते थे।

जीवन का प्रमुख तत्व होने के नाते आज इसी जल की तलाश कभी चांद पर हो रही है कभी मंगल पर। अधिकांश भारतीय जब सूर्यदेवता को जल चढ़ा रहे होते हैं तो उसका भाव यही है कि वे सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञ अनुभव कर रहे हैं। वैसे एक मान्यता यह भी है कि सूर्य को अर्घ्य देते जल से किरणों को निहारना नेत्रों के लिये गुणकारी है। जिस सूर्य के आगमन से ही चारों दिशाएं स्वर्णिम हो जाती हैं तो उसे क्यों न पूजा जाये?

अब रही बात कुंभ स्नान या अन्य अवसरों पर नदियों में स्नान करने से पाप धुल जाने की, तो यह तय है कि हमारे पापों को धोने की क्षमता किसी जल में नहीं हो सकती। पर नदियों पर न जाना, न नहाना, उन्हें न पूजना वृहद पाप है। हां, इस महापाप से छुटकारा तभी मिल सकता है जब हम नदियों के तटों-घाटों पर जाकर उनके साथ आत्मसात होंगे। इसीलिये हमारे पूर्वजों ने यह रिवाज बनाया होगा कि नदियों में पवित्र स्नान कर जल, सूर्य और प्रकृति के प्रति नतमस्तक हो जायें। कुछ जल अपने पात्रों में भरकर घर ले जायें ताकि जो जन किसी कारण नहीं आ सके, वे भी उस पवित्र जल से लाभान्वित हों।

एक और खतरनाक वायरस एचएमपीवी की दस्तक

वर्ष 2020 में चीन से शुरू होकर कोरोना ने पूरी दुनिया में जो दहशत मचाई, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनिया भर में लाखों लोग मारे गए, लाखों परिवार उजड़ गए, अनेक बच्चे अनाथ हो गए। अभी तक कोरोना का खौफ बरकरार है, और कोरोना की शुरुआत के 5 साल बाद अब चीन से ही एक और ऐसे ही खतरनाक वायरस की दस्तक की खबरें दुनिया के सामने आ रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। भारत में कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नये वायरस के मामले मिल चुके हैं, जिसके बाद भारत में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

बताया जा रहा है कि यह वायरस बच्चों और बुजुगरे को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है, और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोटरे में बताया जा चुका है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक वायरस ने इन दिनों चीन में दहशत फैला रखी है।

इस खतरनाक वायरस के कारण बड़ी संख्या में मरीज मर रहे हैं, लेकिन कोविड की ही भांति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। हालांकि कुछ रिपोटरे में दावा किया जा रहा है कि इस वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि उत्तर चीन के प्रांतों में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशानों में बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने की पुष्टि कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर %सार्स-सीओवी-2 (कोविड-19)' नामक एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट में लिखा गया है कि चीन एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस के मामलों में उछाल का सामना कर रहा है, और वहां के अस्पताल निमोनिया और %व्हाइट लंग' के मामलों से खासे परेशान हैं। एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल, बर्ड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी महासंहारक वायरल प्रकोपों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है।

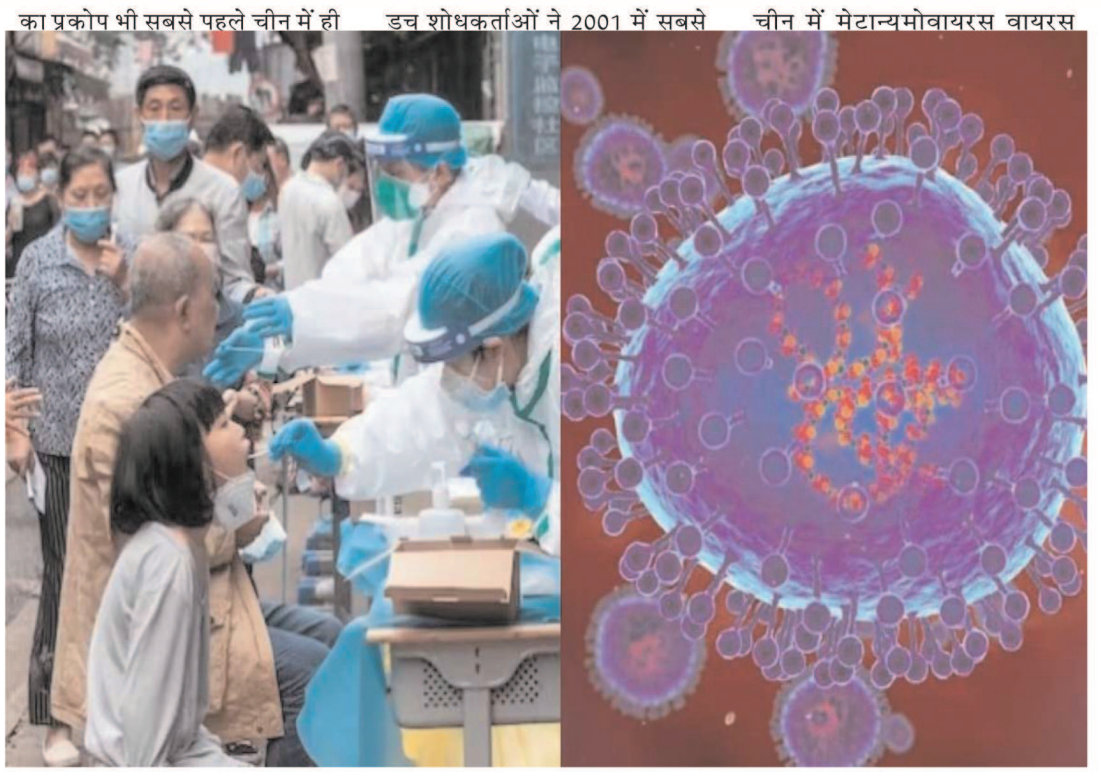

चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा होते रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। हालांकि डच शोधकर्ताओं ने 2001 में सबसे पहले सन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके कुछ मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन चीन में जिस तरह इस वायरस ने आतंक मचाया हुआ है, ऐसे में भारत ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र स्थिति पर नजर रखे हुए है तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल का कहना है कि बताया गया है कि चीन में मेटान्यमोवायरस वायरस का एक आउटब्रेक है, जो गंभीर है। हालांकि उनका कहना है कि हमें नहीं लगता कि भारत में किसी गंभीर स्थिति की आशंका है। दिल्ली मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण गुप्ता का कहना है कि भारत में इस वायरस के कारण बीमारी बढने की अभी आशंका नहीं है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, एचएमपीवी सभी उम्र के लोगों में अपर और लोअर रेस्पिरेटरी डिजीज का कारण बन सकता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छींकने से निकलने वाले स्त्रव या नजदीकी संपर्क जैसे हाथ मिलाने से भी यह वायरस फैलता है। एचएमपीवी वायरस न्यूमोवायराइड और मेटान्यूमो वायरस जीनस का हिस्सा है, जो सिंगल-स्ट्रैंडेड नेगेटिव-सेंस आरएनए वायरस है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, इस वायरस का संक्रमणकाल तीन से पांच दिन होता है। इसके संक्रमण से रोग-प्रतिरोधी क्षमता कमजोर होती है। एचएमपीवी कोरोना की ही भांति सन पथ को संक्रमित करता है, हालांकि कोरोना के मुकाबले इसके कारण ऊपरी और निचले, दोनों सन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह कम पहचाना वायरस है, लेकिन दुनिया भर में मौसमी सन बीमारियों में योगदान कर रहा है। एचएमपीवी में कोरोना ही भांति फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। सामान्य लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छींकते समय मुंह और नाक ढंकना, संक्रमितों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

सर्दी की ठिठुरन से मौंते

नया साल शुरू हो चुका है, और उससे पहले शुरू हो गई कंपकंपा देने वाली सर्दी। इस समय भी देश के विभिन्न इलाकों में शीत लहर कहर बरपा रही है, जिससे हर साल की तरह देश के विभिन्न इलाकों से लोगों के मरने की खबरें भी आ रही हैं।

अब तक 150 से ज्यादा लोग सर्दी की ठिठुरन से मौत की नींद सो चुके हैं। वैसे इस तरह की खबरें आना कोई नई बात नहीं है। कहीं भूख और कुपोषण से होने वाली मौतें तो कहीं गरीबी और कर्ज के बोझ से त्रस्त किसानों और छोटे कारोबारियों की खुदकुशी के जारी सिलसिले के बीच हर साल ही सर्दी की ठिठुरन, गरम लू के थपेड़ों और बारिश-बाढ़ से भी लोग मरते ही रहते हैं।

मौसम की अति के चलते असमय होने वाली ये मौतें हमारे उस भारत की नग्न सच्चाइयां हैं, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह तेजी से विकास कर रहा है, और जल्द ही दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। ये सच्चाइयां सिर्फ हमारी सरकारों के हवा-हवाई कार्यक्रमों और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो जाने जैसे गुलाबी दावों की ही खिल्ली नहीं उड़ातीं, बल्कि व्यवस्था पर काबिज लोगों की नालायकी और संवेदनहीनता को भी उजागर करती हैं।

वैसे, सर्दी हमारे नियमित मौसम चक्र का ही हिस्सा है। कड़ाके की सर्दी इसका हल्का सा विचलन भर है। सर्दी और भीषण सर्दी अंत में हमें कई तरह से फायदे ही पहुंचाती हैं। सबसे बड़ी बात है कि कड़ाके की सर्दी हमें आस्त करती है कि ग्लोबल वार्मिंग उतनी सन्निकट नहीं है, जितना कि अक्सर हम मान बैठते हैं। ज्यादातर भारतीय इस मायने में खुशनसीब हैं कि उन्हें मौसम की विविधताएं देखने को मिलती हैं। अन्यथा दुनिया में ऐसे कम ही इलाके हैं, जहां हर मौसम का मजा लिया जा सके। हर

मौसम अपने रौद्र रूप में भी सुंदर होता है, बशर्ते उसकी मार से लोगों को बचाने के इंतजामात हो।

दुनिया में संभवत- भारत ही ऐसा एकमात्र देश है, जहां हर मौसम की अति होने पर लोगों के मरने की खबरें आने लगती हैं। लेकिन हकीकत यह भी है कि लोग मौसम की अति से नहीं मरते हैं, वे मरते हैं अपनी गरीबी से, अपनी साधनहीनता से और व्यवस्था तंत्र की नाकामी या लापरवाही की वजह से। यूरोप के देशों में सरकारें मौसम की अति का मुकाबला करने के चाक-चौबंद इंतजाम करती हैं, इसलिए वहां लोग हर मौसम का तरह-तरह से लुत्फ उठाते हैं। हमारे देश में भी खाया-अघाया तबका ऐसा ही करता है, जिसके पास हर मौसम की अति का सामना करने और उसका लुत्फ उठाने के पर्याप्त साधन हैं।

भारत के ज्यादातर हिस्सों में यूरोप जैसी ठंड नहीं पड़ती, लेकिन हमारे यहां जब हिमालय परिवार की पहाडियों पर गिरने वाली बर्फ से मैदानी इलाकों में शीत लहर चलती है, तो देश के विभिन्न इलाकों में सर्दी की ठिठुरन से होने वाली मौतों के आंकड़े आने लगते हैं।

हकीकत यह है कि अगर समूचे भारत के आंकड़े इकट्ठे किए जाएं तो हर साल सर्दी से मरने वालों की संख्या हजारों में पहुंचती है। ज्यादातर मौतें बड़े शहरों और महानगरों में होती हैं। जो मरते हैं, उनमें से ज्यादातर बेघर होते हैं। ऐसे लोग काम की तलाश में दूरदराज के इलाकों से बड़े शहरों या महानगरों में जाते हैं, ताकि मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार के जिंदा रह सकने लायक कुछ कमा सकें। इनमें कोई साइकिल रिक्शा चलाते हैं, कोई रेस्तरांओं और ढाबों में काम करते हैं, तो कोई किसी और काम में लग जाते हैं। लेकिन चूंकि ऐसे लोगों के पास रहने के लिए अपना कोई ठिकाना नहीं होता है, इसलिए खुले आसमान के नीचे रात गुजारना उनकी मजबूरी होती है।

गरमी या दूसरे मौसम में तो किसी तरह उनकी रातें कट जाती हैं, लेकिन कड़ाके की शीत लहर में एक रात भी सुरक्षित बीत जाने पर वे असीम राहत महसूस करते हैं। अगर वे सर्दीजनित किसी बीमारी की चपेट में आ जाते हैं, तो उनके पास इतने पैसे भी नहीं होते हैं कि अपना इलाज करा सकें। सर्दी के दिनों में ऐसे जानलेवा हालात का सामना करने वाले लोगों की तादाद लाखों में होती है। सवाल यह है कि अगर इन लोगों के सामने साधनहीनता एक लाचारी है, तो कल्याणकारी मूल्यों पर चलने का दावा करने वाली सरकारों की क्या कोई जिम्मेदारी बनती है कि नहीं? दरअसल, शहरी और अर्धशहरी इलाकों में मौसम की मार से लोगों के मरने के पीछे सबसे बड़ी वजह है शहरी नियोजन में सरकारी तंत्र की अदूरदर्शिता। जब से आवासीय कॉलोनियों की बसावट के मामले में विकास प्राधिकरणों और गृह निर्माण मंडलों की बजाय निजी भवन निर्माताओं और कॉलोनाइजरों का दखल बढ़ा है, तब से रोज कमा कर रोज खाने वालों और बेघर लोगों के लिए आवासीय योजनाएं हाशिए पर खिसकती गई हैं। करोड़ों लोग आज भी फुटपाथों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर या टाट और प्लास्टिक आदि से बनी झोपडियों में रात बिताते हैं। बहुत से लोगों के पास तो पहनने को गरम कपड़े या ओढने को रजाई-कंबल तो दूर तापने को सूखी लकडियां तक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे लोगों को मौसम की मार से बचाने के लिए अदालतें हर साल सरकारों और स्थानीय निकायों को लताड़ती रहती हैं, लेकिन सरकारी तंत्र की मोटी चमड़ी पर ऐसी लताड़ों का कोई असर नहीं होता है। शीत लहर, बाढ़ और भीषण गरमी जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई नई परिघटना नहीं हैं। ये तो पहले से आती रही हैं, और आगे भी आती रहेंगी। इन्हें रोका नहीं जा सकता। रोका जा सकता है, तो इनसे होने वाली जान-माल की तबाही को, जो सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र की ईमानदार इच्छाशक्ति से ही संभव है। ताजा शीत लहर और उससे होने वाली मौतें हमें बता रही हैं कि जब मौसम के हल्के से विचलन का सामना करने तक की हमारी तैयारी नहीं है, और हमारी व्यवस्थाएं पंगु बनी हुई हैं, तो जब ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौती हमारे सामने होगी तो उसका मुकाबला हम कैसे करेंगे?

बांग्लादेश में फिर टकराव की आशंका

एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। इस माहौल से फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। धारणा बनने लगी है कि अगस्त में हुआ बदलाव व्यर्थ जा रहा है।

बांग्लादेश में जिन सियासी ताकतों ने शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन में जबरदस्त एकता दिखाई थी, अब उनके बीच टकराव तीखा हो रहा है।

नए चुनाव कराने के सवाल पर अंतरिम सरकार के रुख ने अन्य समूहों में अंदेशा पैदा किया है कि बीते अगस्त में फौरी तौर पर देश की कमान संभालने आए शासकों को सत्ता का स्वाद लग गया है।

अब वे चुनाव नहीं कराना चाहते। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस और सरकार में शामिल पूर्व छात्र नेताओं के कुछ बयानों के बाद बांग्लादेश नेशलनिस्ट पार्टी (बीएपनी) सहित अन्य दल अंतरिम शासकों के खिलाफ खुल कर बोलने लगे हैं। इन बयानों का संदेश था कि चुनाव कराना अंतरिम सरकार की प्राथमिकता नहीं है।

तब से आरोप लगाए गए हैं कि अंतरिम सरकार जानबूझ कर चुनाव में देर कर रही है। संदेह जताया गया है कि हसीना को सत्ता से बाहर करने के बाद मोहम्मद यूनुस और उनके छात्र समर्थक बीएनपी को भी रास्ते से हटाना चाहते हैं।

हसीना के देश से जाने के बाद उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं के ख़िलाफ़ हत्या समेत अलग-अलग आरोपों में मामले दर्ज होने का सिलसिला शुरू हुआ था।

उधर प्रमुख विपक्षी पार्टी बीएनपी की अध्यक्ष ख़ालिदा ज़िया के खिलाई कई मामलों में सज़ा रद्द की गई। जमात-ए-इस्लामी के भी कई नेता और कार्यकर्ता जेल से रिहा हुए।

तब लग रहा था कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, बीएनपी, जमात और आंदोलनकारी छात्र नेता एकजुट हैं। लेकिन अब सूरत बदल गई है। एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। एक दूसरे पर इल्जाम लगाए गए हैं कि वे हसीना के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं। बीएनपी ने कहा है कि अंतरिम सरकार और जमात भारत के साथ अपने रिश्ते अच्छे करने के लिए हसीना को माफ़ कर देना चाहते हैं। इसके बाद जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने बीएनपी पर कड़ा हमला किया। इस माहौल से देश में फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। ये धारणा बनने लगी है कि अगस्त में हुआ बदलाव व्यर्थ जा रहा है।

हथखोज औद्योगिक क्षेत्र के सिसकोल कंपनी में हादसा, मजदूर की मौत

भिलाई-3 पुलिस ने कहा जांच के बाद होगी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

क्रेन ऑपरेट करते समय लोहे का भारी भरकम प्लेट गिरने से मजदूर की मौत हो गई। यह हादसा आज सुबह हथखोज के भारी औद्योगिक क्षेत्र स्थित सिसकोल कंपनी में हुई। मृतक की पहचान वार्ड क्रमांक 5 गणेश नगर जामुल निवासी लेखूराम कौशल पिता बाबूलाल कौशल (34 वर्ष) के रूप में की गई है। मामले में भिलाई-3 पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही है।

यह हादसा सिसकोल कंपनी के यूनिट - 3 में आज सुबह 7 से 8 बजे के बीच होने की बात सामने आ रही है। मजदूर लेखूराम कौशल सुबह की पाली में ड्यूटी पर 6 बजे पहुंचा था। कंपनी में लोहे के भारी भरकम जॉब को क्रेन के जरिए इधर उधर करने में वह ऑपरेटर को संकेत दिया करता था। आज भी वह अपना काम कर रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। क्रेन ऑपरेट करते समय लोहा गिरने से लेखूराम की मौत हो गई। हादसे के बाद कंपनी में अफरा तफरी मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में लापरवाही की बात भी सामने आई है।

बताया जा रहा है कि लेखूराम कौशल सुबह काम पर पहुंचने के बाद ओवरहेड क्रेन की मदद से भारी लोहे के प्लेट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ट्रांसफर करवा रहा था। इस दौरान संतुलन बिगड़ा और लोहे का प्लेट सीधे लेखूराम के ऊपर गिर पड़ा। प्लेट के भारी वजन से उसे गंभीर चोट आई और इससे पहले की उसे अस्पताल पहुंचाया जाता, उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही भिलाई-3 थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई करने की बात कही है।

कंपनी प्रबंधन ने दिया 20 लाख का मुआवजा

हादसे में लेखूराम कौशल के मौत की खबर मिलते ही जामुल पालिका क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और वार्ड क्रमांक 5 के लोग सिसकोल कंपनी पहुंच गए। कंपनी प्रबंधन से मुआवजा की मांग रखी गई। लोगों का कहना था कि लेखूराम कौशल के नहीं रहने से उसके दो छोटे छोटे बच्चे और पत्नी के भरण पोषण में अचानक अनिश्चितता आ गई है। लेखूराम की कमाई से ही घर चलता था। इसलिए पत्नी व बच्चों के अंधकारमय भविष्य को देखते उचित मुआवजा दिया जाए। प्रारंभिक चर्चा में कंपनी प्रबंधन की ओर से मृतक के परिवार को 20 लाख रुपए मुआवजा तथा दोनों बच्चों के शिक्षा - दीक्षा के लिए उनके 18 वर्ष की आयु पूरी होने तक प्रतिमाह 15 हजार रुपए सहयोग राशि देने की बात सामने आई है।

निगम का राजस्व बढ़ाने में जुटा अमला

शिविर लगाकर की जा रही टैक्स वसूली

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

भिलाई चरौदा क्षेत्र के सिरसा कला और सोमनी वार्ड में टैक्स वसूली करने शिविर लगाया गया। मौके पर निगम कर्मियों द्वारा की जा रही कार्यवाही का निरीक्षण करने कमिश्नर डी एस राजपूत पहुंचे। महापौर निर्मल कोसरे एवं कमिश्नर श्री राजपूत के निर्देशानुसार निगम राजस्व विभाग द्वारा कड़ी मशक्कत कर टैक्स कलेक्शन अभियान चलाया जा रहा है। निगम के दो वसूली दल अलग अलग वार्डों में घर -घर ,गांव -गांव पहंचकर क्षेत्र के नागरिकों को अपना टैक्स जमा करने प्रेरित कर रहे हैं।

जैसा कि ज्ञात है कि निगम द्वारा संपत्तिकर -समेकित कर, जलकर , भू-भाटक , शिक्षा उपकर, समेत यूजर चार्ज वसूली करने की कार्यवाही की जाती है । इसमें जल प्रदाय विभाग की ओर से जलकर राशि वसूल करना तथा संपदा और राजस्व विभाग द्वारा अन्य कर की वसूली करने कवायद की जाती है। निगम प्रशासन द्वारा सहायक राजस्व अधिकारी श्रीमती अरूणिमा दुबे के नेतृत्व में जलकर वसूली हेतु एक दल तथा संपत्तिकर प्रभारी ललित चन्द्राकर के नेतृत्व में एक दल गठित किया गया है जो प्रापर्टी टैक्स वसूलने वार्ड-वार्ड में शिविर आयोजित कर रहे है ।

उल्लेखनीय है कि लोगो में सामान्य अवधारण ये है कि प्रतिवर्ष वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व 1 अप्रैल से पहले मार्च महिने में समस्त करों का भुगतान किया जाना होता है। जबकि नगर निगम भिलाई चरौदा प्रशासन द्वारा जानकारी देकर स्पष्ट किया गया है कि क्षेत्र के नागरिक जो कर दाता है वो वित्तीय वर्ष समाप्ति से पूर्व भी अधिभार से बचने अपने लंबित करो का भुगतान निगम कोष में कराकर स्थानीय प्रशासन का सहयोग कर सकते है ।

भिलाई-3 कॉलेज में बना भक्ति और सांस्कृतिक माहौल

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

बसंत पंचमी पर हुई मां सरस्वती की पूजा - अर्चना

डॉ खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई-3 में विद्या, ज्ञान और संस्कृति के पावन पर्व बसंत पंचमी का आयोजन श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जिसने पूरे परिसर को भक्तिमय एवं सांस्कृतिक वातावरण से भर दिया। बसंत पंचमी को विद्या, बुद्धि और विवेक की देवी मां सरस्वती की आराधना का विशेष पर्व माना जाता है, इसी भाव के साथ महाविद्यालय परिवार ने इस आयोजन को संपन्न किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अश्विनी महाजन ने अपने उद्बोधन में बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व ज्ञान, सृजनशीलता और नवीन ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं और भारतीय परंपराओं से जुड़ने का अवसर देते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ भारती सेठी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि बसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन में आशा, उल्लास और नवचेतना का संदेश लेकर आती है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्राध्यापकों ने भी बसंत पंचमी के सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महत्व पर अपने विचार साझा किए। सभी ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के आयोजनों से सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है।

विनोबा नगर में बसंत पंचमी पर हुआ भोग भंडारा

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

भिलाई-3 में पदुम नगर से लगे विनोबा नगर में कालोनी वासियों ने धूमधाम से बसंत पंचमी का पर्व मनाया। इस अवसर पर ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती की सामूहिक रूप से पूजा अर्चना की गई। वहीं बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। आयोजन स्थल पर दिन भर उत्सवीं छंटा बिखरी रही। देर शाम को सभी के लिए भोग भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जामुल भाजपा ने मनाया नेताजी की जयंती

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129 वी जयंती के शुभ अवसर पर उसकी पराक्रम की दिवस पर भारतीय जनता जामुल मंडल द्वारा वर्मा साइकिल स्टोर वार्ड क्रमांक 9 रावण भाटा जामुल में मनाया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रदेश एस सी मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य चंद्र प्रकाश मांडले, रायपुर संभाग किसान मोर्चा प्रभारी एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर, मंडल अध्यक्ष प्रशांत गुप्ता, महामंत्री ओम प्रकाश, ध्रुव देवांगन, पूर्व मंडल अध्यक्ष जोगेश्वर सोनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, पूर्व महामंत्री नूतन वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष अरुण यादव, वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद दीपक गुप्ता, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष अनीता साहू, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष दीपक सिंह, मीडिया प्रभारी संजय यादव, सह मीडिया प्रभारी लक्ष्न सिंह, पूर्व मंडल मंत्री राकेश वर्मा, कोषाध्यक्ष मंडल सुभाष पांचाल, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता कुलेश्वर वर्मा एवं मंडल कार्यकारिणी सदस्य शिव वर्मा, युवा मोर्चा के सोनू यादव, रामकृष्ण साहू महिला मोर्चा से योगिता साहू आदि शामिल थे।

छात्राओं को किया गया स्वास्थ्य व सुरक्षा के प्रति जागरूक

जरवाय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

महिला एवं बाल विकास परियोजना भिलाई-2 द्वारा भिलाई-3 सेक्टर के जरवाय स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शाला में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विविध ज्ञान वर्धक विषयों पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं छात्राओं को स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

23 जनवरी को शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शाला जरवाय में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी, मोमबत्ती जलाओ और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रोशनी, गरिमा, बबली, प्रेरणा, रोशनी और टेकेश्वरी, मेहंदी प्रतियोगिता में हनी ठाकुर, निशा व रीमा और मोमबत्ती जलाओ प्रतियोगिता में तमन्ना, पूजा व डॉली विजेता रही।

परियोजना के भिलाई-3 सेक्टर की पर्यवेक्षक श्रीमती इंदु कोशले ने भ्रूण हत्या, बालिका शिक्षा, एनीमिया पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह मुक्त समाज बनाने सभी को शपथ दिलाई। श्रीमती कोशले ने भारत सरकार की चौबीस घंटे निशुल्क उपलब्ध डायल 1098 सेवा के बारे में छात्राओं को बताया कि यह आपातकालीन फोन सेवा है, जो संकट में फंसे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सहायता के लिए समर्पित है। यह हेल्पलाइन बाल श्रम, बाल विवाह, शारीरिक व यौन शोषण, लापता या बीमार बच्चों को तत्काल बचाव, आश्रय और पुनर्वास जैसी सेवाएं प्रदान करती है, साथ ही सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखती है। कार्यक्रम में शाला की प्राचार्य माया देवांगन सहित शिक्षिकाएं स्मिता तिवारी, शालिनी चाहन्दे, अल्का शर्मा, मंजुषा निषाद और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चित्रा वर्मा, पुष्पलता नायक, अनीता नायक, लीलावती विश्वकर्मा, मोनिका बंजारे व सीमा जंघेल उपस्थित रहीं।

सड़क हादसे में महिला की मौत

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक हिट एंड रन का मामला सामने आया है। एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार ठोकर दी। इस दुर्घटना में बाइक के पीछे बैठी अधेड़ महिला को गंभीर चोटें आई थी जिन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया था। जहां दूसरे दिन इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। जांच के पश्चात सुपेला पुलिस के द्वारा अज्ञात कर चालक के खिलाफगैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। सुपेला पुलिस के मुताबिक 22 जनवरी की सुबह 8.15 बजे के करीब श्रीमती मोहना मेश्राम पति विवेक मेश्राम (52 वर्ष) निवासी सेक्टर 10 अपने निवास से अपने भाई मुकेश कुमार गजभिए के साथ मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 ए जी 4135 में नेहरू नगर भिलाई जा रही थी। नेहरु नगर अग्रसेन चौक के पास कल्याण ज्वेलर्स के सामने एक सफेद अज्ञात कार के चालक ने अपनी कार को तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से चला कर मोटर साइकिल सवार को ठोकर मार दिया। जिससे श्रीमती मोहना मेश्राम के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोट आई थी। जिसे इलाज के लिये स्पर्श अस्पताल सुपेला लेकर गये थे। जहां इलाज के दौरान स्पर्श अस्पताल में दूसरे दिन 23 जनवरी की सुबह उनकी मौत हो गई। सुपेला पुलिस के द्वारा इस हिट एंड रन के मामले की सम्पूर्ण मर्ग जांच पर अज्ञात सफेद कार के चालक के विरुद्ध धारा 106 (1) बीएनएस एवं 184 मोटर व्हीकल एक्ट का अपराध घटित होना पाये जाने से हालात से कल रात करीबन 9 बजे के लगभग एफ्आईआर पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाता है।

जमे पानी की जांच के लिए दी घर-घर दस्तक

निगम और मलेरिया विभाग ने मिलकर चलाया मच्छर उन्मूलन अभियान

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशानुसार, शहर में मच्छर जनित रोगों जैसे डेंगू और मलेरिया की रोकथाम हेतु नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-4 शिवाजी नगर के अंतर्गत वार्ड-50 शास्त्री नगर, खुर्सीपार में व्यापक सर्वेलेंस और मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया।

इस विशेष अभियान के तहत केनाल रोड एवं गायत्री मंदिर मार्ग क्षेत्र में निगम के विशेष दस्ते और जिला मलेरिया विभाग के सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम ने घर-घर जाकर निरीक्षण किया। टीम द्वारा घरों में रखे कूलर, पानी की टंकी, ड्रम और पुराने कंटेनरों की बारीकी से जांच की गई। जहां भी मच्छर पनपने की संभावना दिखी, उस पुराने जमाव वाले पानी को तत्काल खाली कराया गया।

मच्छर के लार्वा को खत्म करने के लिए स्प्रेयर पंप के माध्यम से एक्यूगार्ड का छिड़काव किया गया। व्यस्क मच्छरों के नियंत्रण हेतु मैलाथियान (पानी मिश्रित) का छिड़काव गलियों और प्रभावित क्षेत्रों में किया गया। मोहल्ले की कच्ची-पक्की नालियों में ठहरे हुए पानी पर भी

सघन छिड़काव कार्य संपादित किया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा नागरिकों को मच्छर रोधी उपायों की जानकारी दी गई। उन्हें अपने आसपास जलजमाव न होने देने के प्रति जागरूक करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा से संबंधित पाम्पलेट भी वितरित किए गए। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास पानी जमा न होने दें और प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

जोक्स

चुड़ैल

बहू रोए जा रही थी, सास ने पुचकारते हुए पूछा: क्यों बेटी! रो क्यों रही हो?
बहू: क्या मैं चुड़ैल जैसी दिखती हूं?
सास: नहीं, बिल्कुल नहीं।
बहू: क्या मेरी आंखें मेंढकों की तरह हैं?
सास: नहीं तो।
बहू: क्या मेरी नाक पकौड़े जैसी है?
सास: नहीं।
बहू: क्या मैं भैंस जैसी मोटी और काली हूं?
सास: नहीं बेटी, बिल्कुल नहीं।
बहू: फिर सारे मोहल्ले के लोग क्यों कहते फिरते हैं कि तू तो अपनी सास जैसी दिखती है।

बड़े हो गए

आंटी: अरे बेटा, तुम तो बड़े हो गए।
लड़का: हां आंटी और कोई ऑप्शन ही नहीं था मेरे पास।

भूत

मास्टर जी: मर भी गया तो मैं तुझे करता रहूंगा प्यार। इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
पप्पू: सर इसका मतलब है कि कवि अपनी प्रेमिका को भूत बनकर डराना चाहता है।

प्रेस

पति: मेरी शर्ट जल्दी करके प्रेस करना।
पत्नी: ठीक है।
पति कुछ देर बाद: मेरी शर्ट प्रेस हो गई?
पत्नी: नहीं।
पति: क्यों?
पत्नी: मुझे जल्दी नहीं आ रही है।

होमवर्क

छात्र: सर जी।
मास्टर: हां बोलो।
छात्र: मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी सजा मुझे देंगे?
मास्टर: नहीं, बिल्कुल नहीं। बोलो क्या बात है?
छात्र: मैंने आज होमवर्क नहीं किया।

आध्यात्मिक रूप से स्वयं को रखें स्वस्थ

पूरी तरह नेचरल लाइफ जीने के लिए आयुर्वेदिक टिप्स के रूप में आपके हाथों में एक सफल फिटनेस गोल का सुनिश्चित नुस्खा हो सकता है, यदि आप खुद को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने का मन बना लें। आयुर्वेद प्राचीन स्वास्थ्य जीवन प्रणाली है, यह आपको शारीरिक, मानसिक या आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और बलवान बनाने का कार्य करता है।

क्या आप दिन भर के काम के बाद सुस्त महसूस करते हैं? क्या आपको सुबह उठने और जिम को [illegible] पूरा करने के लिए उत्साह की कमी अनुभव होती है? यदि इन समस्याओं से बचने के लिए आप कैफीन युक्त चाय या कॉफी का उपयोग करते हैं तो इसे तुरंत बंद कर दें और आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों जैसे- अश्वगंधा, ब्राह्मी और तुलसी के काढ़े का उपयोग करें। इनकी चाय या काढ़ा बनाकर आप अपनी थकान को दूर कर सकते हैं। इन जड़ी बूटियों का उपयोग करने से मानसिक तनाव में कमी होती है और शरीर में [illegible]। आपकी ऊर्जा का स्तर [illegible]।

स्टैमिना का निर्माण

मानसिक तनाव और शारीरिक गतिविधि दोनों ही आपस में बहुत अच्छी तरह जुड़े हुए हैं। मानसिक तनाव में वृद्धि होती है तो शारीरिक गतिविधि में कमी आ जाती है और शारीरिक गतिविधि में कमी होती है तो मानसिक तनाव बढ़ने लगता है। [illegible]

[illegible]

नियमित रूप से मालिश

[illegible]

मेटाबॉलिज्म

[illegible]

ध्यान और व्यायाम

[illegible]

सुबह खाली पेट पिए पानी

इसमें कोई शक नहीं कि पानी हमारे लिए खाना खाने जितना ही जरूरी है। हमारे शरीर के कुल वजन का दो तिहाई हिस्सा पानी ही होता है। इसके द्वारा हमें कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं। साथ ही शरीर में मौजूद हानिकारक तत्व भी इसके द्वारा आसानी से बाहर निकल जाते हैं। नियमित रूप से पानी पीकर हम शरीर का वजन बढ़ने से रोक सकते हैं साथ ही और कई बीमारियों से भी बच सकते हैं। लेकिन अगर आप त्वचा की चमक बढ़ाना चाहते हैं साथ ही लंबे समय से चले आ रहे कब्ज की समस्या से छुटकारा पाने का आसान तरीका ढूंढ रहे हैं तो सुबह-सुबह खाली पेट पानी पीना है इसके लिए बेहद फायदेमंद।

- सुबह उठते ही सबसे पहले खाली पेट पानी पीने से शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बहुत ही आसानी से बाहर निकल जाते हैं। खून साफ हो जाता है जिससे सबसे पहला असर आपको अपने चेहरे पर देखने को मिलता है। एक अलग ही चमक और रौनक नजर आती है।
- कब्ज से परेशान हैं तो सुबह उठते ही खाली पेट कम से कम दो से तीन गिलास पानी पीने की आदत डालें। कुछ हफ्तों तक इसे जरूर फॉलो करें जिसका फायदा आपको महसूस होने लगेगा। पेट साफ होने के बाद आप जो कुछ भी खाते हैं उसका पूरा फायदा शरीर को पहुंचता है। साथ ही कब्ज दूर होने से अन्य दूसरी गंभीर बीमारियों से भी बचा जा सकता है।
- अगर आप वजन जल्द घटाना चाह रहे हैं तो सुबह उठकर पानी पीने की आदत डालें। इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है जो वजन घटाने और मोटापा कम करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से मासिक धर्म, पेशाब, गले और किडनी से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से शरीर में नई कोशिकाएं भी बनती हैं। मांसपेशियों में किसी प्रकार का दर्द है तो दूर होता है साथ ही वे मजबूत होती हैं।

प्रेग्नेंसी में करें इन चीजों का सेवन

प्रेग्नेंसी के दौरान खाई जाने वाली चीजों का शिशु के विकास पर सीधा असर पड़ता है। इसलिए गर्भवती स्त्रियों को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें खाने से परहेज नहीं करना चाहिए। इस दौरान कौन से सुपर फूड जरूर खाने चाहिए, जानने के लिए पढ़िए यह लेख।

पालक, फोलिक एसिड से भरपूर : यह फोलिक एसिड का महत्वपूर्ण स्रोत है, जो गर्भवती स्त्रियों के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। इसमें विटामिन, मिनरल्स और कैल्शियम की भी भरपूर मात्रा होती है। इसलिए इसे डाइट में जरूर शामिल करें।

डेयरी प्रोडक्ट्स, कैल्शियम का स्रोत: गर्भावस्था में कैल्शियम बेहद आवश्यक है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं। हड्डियों और दांतों की सुरक्षा के अलावा ये शिशु के विकास में भी मददगार हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान रोज एक गिलास दूध के अलावा अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे- पनीर, चीज, दही, छाछ आदि का भी सेवन किया जाना चाहिए।

दालें, प्रोटीन भरपूर : दालों में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इनमें आयरन, जिंक, कैल्शियम, फोलेट जैसे तत्व भी होते हैं। इसलिए गर्भावस्था के दौरान इन्हें अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

मौसमी फल : गर्भवती स्त्री की भोजन की थाली में मौसमी फल बेहद आवश्यक हैं। अलग-अलग रंगों के फल पोषक तत्वों, विटामिन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इसलिए हरे, पीले, नारंगी, लाल, बैंगनी रंग के फल-सब्जियां नियमित खाएं। विटामिन-सी से भरपूर नींबू, आंवले या संतरे का सेवन भी जरूर करें। ये प्रेग्नेंसी के दौरान मितली की समस्या को दूर कर सकते हैं।

कैल्शियम से युक्त टोफू : इसमें न सिर्फ कैल्शियम बल्कि कैल्शियम फॉस्फेट, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन्स ए और के भी पाया जाता है। इसमें फोलिक एसिड भी होता है इसलिए गर्भावस्था में इसे डाइट का हिस्सा बनाएं।

बदलना है बोरिंग घर का डेकोर

[illegible]

पुराने फर्नीचर को बनाएं नए जैसा

[illegible]

बदल दें घर के पर्दे

[illegible]

घर को इस तरह सजाएं

[illegible]

फैंसी फ्रेम : [illegible]

कुछ डिफरेंट सजावट : [illegible]

रंगों का चुनाव : [illegible]

थोड़ा सोच लें शादी के लिए हां करने से पहले

[illegible]

- **घर का खर्च :** [illegible]
- **घर की जिम्मेदारियां :** [illegible]
- **फैमिली प्लानिंग :** [illegible]
- **परिवार के साथ रहना :** [illegible]

बाल कहानी

चैरी का तरीका

[illegible]

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किवदंती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अंश है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक दोष- मांगलिक दोष की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण दोष- ग्रहण दोष की शांति के लिए 2 या 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम दोष- केमद्रुम दोष की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट दोष- शकट दोष की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक दोष- अंगारक दोष की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजें व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती है। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती है।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कड़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कड़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठी सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कड़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योंकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारात्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कड़ाई को जहां पर खाना बनाते हो, उनकी दाईं ओर रखें क्योंकि किचन के दाईं ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृंगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परन्तु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए है इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वही करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होते हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही उस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पदार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ रसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एनर्जी कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषेक करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुन साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आई। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से यहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्मक दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातावरण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से "ची" यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की "ची" ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्टस या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांटस घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधे रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

उत्सव रायपुर साहित्य उत्सव में राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश और साहित्य आज तक के संपादक जयप्रकाश पाण्डेय के बीच हुआ संवाद

राजधानी रायपुर में शब्दों का सैलाब, साहित्य उत्सव ने रचा सांस्कृतिक इतिहास

नई दृष्टिबिंदु/ रायपुर

छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, बौद्धिक एवं वैचारिक चेतना को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित रायपुर साहित्य उत्सवझ्र2026 के पहले दिन आज राज्यसभा के उप सभापति श हरिवंश और साहित्य आज तक के संपादक जयप्रकाश पाण्डेय के बीच संवाद हुआ। उन्होंने यहां अनिरुद्ध नीरव मंडप में हुए संवाद सत्र में भारत की विकास गाथा तथा साहित्य को युवाओं के बीच पहुंचाने पर चर्चा की। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान का साहित्य ही समाज को एक कर सकता है। साहित्य में वह ताकत है कि यह अलग-अलग विचारों, अलग-अलग समाजों एवं अलग-अलग राज्यों में रहने वाले लोगों के वैचारिक टकरावों को खत्म कर सकता है। रायपुर साहित्य उत्सव जैसे आयोजन समाज को जोड़ने के लिए तथा आने वाली पीढ़ी को साहित्य की समझ सिखाने के लिए बहुत जरूरी है।

हरिवंश ने कहा कि हमारे गांव, हमारे राज्य और हमारे देश में ऐसे अनेक ऐतिहासिक धरोहर, ऐतिहासिक किताब, महान इतिहासकार और साहित्यकार हुए हैं, जिन पर हमें गर्व होना चाहिए। लेकिन हम में हीनता का इतना ज्यादा बोध है कि हम विदेशी चीजों से ज्यादा प्रभावित हो गए हैं। हमारे देश का साहित्य इतना समृद्ध है कि विदेश के लोग इससे सीख सकते हैं। यह हीनता बोध तभी खत्म हो पाएगा जब रायपुर साहित्य उत्सव जैसे आयोजन देश के हर जिले और हर राज्य में होगा। उन्होंने देश की संस्कृति और हर गांव के धरोहरों पर लिखने पर जोर दिया।

हरिवंश ने कहा कि भारत मशाल जलाकर दुनिया को राह दिखा रहा है। 2014 के बाद भारत लगातार विकास की ओर अग्रसर है। किसी भी देश के विकास का परिचय वहां के गांव और अंतिम छोर के निवासी से मिलता है। आज भारत के गांवों में पक्के घर हैं, पूरे देश में डिजिटल क्रांति के तहत यूपीआई पेमेंट हो रहे हैं।

डिजिटल साहित्य:प्रकाशकों के लिए चुनौती पर सार्थक विमर्श

रायपुर साहित्य उत्सव 2026 के अंतर्गत 'आदि से अनादि तक' थीम पर आयोजित सत्रों की श्रृंखला में अनिरुद्ध नीरव मंडप में एक विचारोत्तेजक चर्चा सत्र संपन्न हुआ। 'डिजिटल साहित्य : प्रकाशकों के लिए चुनौतीह्न विषय पर केंद्रित इस सत्र में डिजिटल युग में साहित्य प्रकाशन की बदलती प्रकृति, संभावनाओं और चुनौतियों पर गंभीर विमर्श किया गया।

सत्र में प्रभात प्रकाशन, दिल्ली के प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने डिजिटल माध्यमों के प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ई-बुक्स, ऑडियो बुक्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने साहित्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचाने के नए अवसर प्रदान किए हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि डिजिटल परिवर्तन के चलते पारंपरिक प्रकाशन मॉडल को नई प्रतिस्पर्धा और संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

सत्र के सूत्रधार डॉ. सुधीर शर्मा वैभव प्रकाशन, रायपुर ने डिजिटल तकनीक, कॉपीराइट संरक्षण, पाठकों की बदलती रुचियों और साहित्यिक गुणवत्ता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर संवाद को आगे बढ़ाया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि

डिजिटल माध्यम को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर के रूप में अपनाकर नवाचार के जरिए साहित्य प्रकाशन को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

रायपुर साहित्य उत्सव में ओपन माइक से नवीन प्रतिभाओं को मिला सशक्त मंच

रायपुर साहित्य उत्सव के अंतर्गत प्रदेश के लब्ध प्रतिष्ठित कवि पद्मश्री स्वर्गीय सुरेन्द्र दुबे को समर्पित ओपन माइक मंच पर पहले दिन चार सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें 75 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मक प्रस्तुतियाँ दीं। इस मंच पर कविता, कहानी, गायन, वादन, सामूहिक नृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य जैसी विविध विधाओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

ओपन माइक सत्र में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह विशेष मंच विभिन्न विधाओं के कलाकारों को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सुसज्जित किया गया था, जहाँ बाँसुरी, गिटार और वायलिन वादन की प्रस्तुतियों ने वातावरण को संगीतमय बना दिया। नन्ही नृत्यांगनाओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं सरगुजा से लेकर बस्तर तक के युवा कवियों और ग़ज़लकारों ने अपनी सशक्त रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, महंत कॉलेज के प्राचार्य देवाशीष महंत तथा संयुक्त संचालक, जनसंपर्क श्रीमती इस्मत जहाँ दानी द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। ओपन माइक सत्र ने न केवल नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया, बल्कि साहित्य, कला और संस्कृति के प्रति युवाओं के उत्साह और रचनात्मक ऊर्जा को भी प्रभावी रूप से उजागर किया।

रायपुर साहित्य उत्सव 2026 : महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ सहित सुरजीत नवदीप मंडप में गूंजा साहित्य

नवा रायपुर में आयोजित रायपुर साहित्य उत्सव 2026 पूरे उत्साह और साहित्यिक गरिमा के साथ जारी है। उत्सव के अंतर्गत सुरजीत नवदीप मंडप में महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ सहित काव्य एवं व्यंग्य के कई सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए 90 से अधिक नवोदित एवं समकालीन रचनाकारों ने सहभागिता की।

रायपुर साहित्य महोत्सव के वृहद आयोजन के अंतर्गत जय जोहार साहित्य-संस्कृति संस्थान, छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान एवं छत्तीसगढ़ मित्र के संयुक्त तत्वावधान में महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जय जोहार साहित्य-संस्कृति संस्थान की अध्यक्ष डॉ. सीमा निगम द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान की संरक्षक डॉ. रश्मिलता मिश्रा, श्रीमती शशि सुरेंद्र दुबे एवं छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला तरार विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहीं। मंच संचालन डॉ. सीमा अवस्थी एवं सुमन शर्मा बाजपेयी ने किया।

महिला साहित्यकारों ने अपनी कविताओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति, नदियों की महिमा, सामाजिक सरोकार, नारी सशक्तिकरण एवं राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस सत्र में विमला माहेश्वरी, भारती यादव मेधा, पूर्वा श्रीवास्तव, पल्लवी झा, नंदिनी लहेज, दिलशाद सैफी, अनिता झा, अनामिका शर्मा शशि, प्रमदा ठाकुर, सुषमा प्रेम पटेल, पूर्णिमा तिवारी, शुभ्रा ठाकुर, धरा देवांगन, शकुंतला तिवारी, सीमा पांडेय, डॉ. ज्योति दीवान, डॉ. संध्या रानी शुक्ला, नलिनी बाजपेयी, अंजना भाके कनुप्रिया, शशि तिवारी, डॉ. तुलेश्वरी धुरंधर, प्रतिमा बनर्जी, दुर्गा पाठक, आभा श्रीवास्तव, मंजूषा अग्रवाल, कल्याणी तिवारी, प्रीति मिश्रा, चंद्र प्रभा दुबे, चंद्रकला त्रिपाठी, अर्चना जैन, खिलेश गौर सहित अनेक साहित्यकारों ने सहभागिता की। आभार प्रदर्शन डॉ. मृणालिका ओझा ने किया।

उत्सव के अंतर्गत सुरजीत नवदीप मंडप में आयोजित अन्य साहित्यिक सत्रों में सामूहिक काव्य-पाठ एवं व्यंग्य प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। धमतरी से डूमनलाल ध्रुव के नेतृत्व में 15 सदस्यीय दल ने ग्रामीण एवं लोक संवेदनाओं से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत कीं। रायपुर से राजशेखर चौबे के नेतृत्व में 9 रचनाकारों ने समकालीन विषयों पर व्यंग्यात्मक रचनाएं प्रस्तुत कीं, जबकि महासमुंद से अशोक शर्मा के नेतृत्व में 12 सदस्यीय समूह ने आंचलिक संस्कृति को स्वर दिया। वहीं रायपुर के श्री आशीष सिंघानिया के 7 सदस्यीय समूह ने युवा सोच और नवीन प्रयोगों से युक्त कविताओं का पाठ किया। दिनभर चले इन सत्रों में साहित्य प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रोताओं की करतल ध्वनि ने रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों के अनुसार रायपुर साहित्य उत्सव अब एक सांस्कृतिक आयोजन से आगे बढ़कर एक सशक्त बौद्धिक एवं साहित्यिक आंदोलन का रूप ले चुका है, जो छत्तीसगढ़ की साहित्यिक विरासत को निरंतर समृद्ध कर रहा है।

विद्यारत्न भसीन की विरासत को आगे बढ़ा रहीं दिव्या भसीन

नई दृष्टि बिंदु/भिलाई

वैशाली नगर के पूर्व विधायक स्वर्गीय विद्या रत्न भसीन की सामाजिक-राजनीतिक विरासत को उनकी पुत्री दिव्या भसीन पूरी गरिमा और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ा रही हैं। इसी क्रम में दिव्या भसीन द्वारा समाज और शिक्षा से जुड़े आयोजनों में सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है।

स्वर्गीय विद्या रत्न भसीन की विधायक निधि से निर्मित महाराष्ट्रीयन स्वणर्कार समाज, भिलाई के सामाजिक भवन का उद्घाटन सांसद विजय बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी बघेल के कर-कमलों से संपन्न हुआ। इस गरिमामय अवसर पर दिव्या भसीन की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। भवन उद्घाटन समारोह में पूर्व जिला अध्यक्ष महेश वर्मा, वार्ड पार्षद नोहर वर्मा, दिनेश मिश्रा सहित समाज के पदाधिकारी, प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने समाज के लिए निर्मित इस भवन को सामाजिक एकजुटता का केंद्र बताया।

इसके अतिरिक्त दिव्या भसीन ने अनंत विद्यालय द्वारा आयोजित बसंत पंचमी उत्सव में अतिथि के रूप में सहभागिता की। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्यालय परिसर में माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 11, 12 एवं 13 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सांसद की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी बघेल की विशेष उपस्थिति रही। दिव्या भसीन ने शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज का समग्र विकास तभी संभव है जब शिक्षा और सेवा को प्राथमिकता दी जाए।

कार्यक्रम में किंचित विलंब से पहुँचने के बावजूद आयोजन के उपरांत उपस्थितजनों द्वारा प्रदत्त स्नेह, सम्मान और आत्मीयता को दिव्या भसीन ने हृदयस्पर्शी बताया। दिव्या भसीन की लगातार सामाजिक सक्रियता को नगर में विद्या रत्न भसीन की जनसेवी परंपरा का स्वाभाविक विस्तार माना जा रहा है।

बेंगलुरु में लौटे भिलाई के पुराने दिन, वरिष्ठों का किया सम्मान

नई दृष्टि बिंदु/भिलाई

भिलाई कन्नड़ बड़गा बेंगलुरु संस्था के बैनर तले भिलाई वासियों ने 34 वां सालाना मिलन समारोह कम्युनिटी हॉल, सेवा पार्क, उत्तराहल्ली, बेंगलुरु में मनाया। आयोजन का मकसद भिलाई के कन्नड़ भाषियों को एक मंच पर लाना था जिससे सभी लोग मिल कर भिलाई में बिताए सुनहरे दिनों की अपनी प्यारी यादें अपने पुराने दोस्तों और परिवारों के साथ साझा कर सकें।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों से 5-6 दशक पहले आकर भिलाई स्टील प्लांट में अपनी सेवा देने वाले ज्यादातर कर्मी व परिवार सेवानिवृत्ति के बाद अपने गृहग्राम लौट चुके हैं लेकिन भिलाई को बनाने वाली इस पहली पीढ़ी ने अपनी कमर्भूमि को कभी नहीं भुलाया। अपने कर्मक्षेत्र भिलाई को याद करते हुए कन्नड़भाषी विगत 34 वर्ष से हर साल बेंगलुरु में जुटते हैं।

समारोह का उद्घाटन बीएसपी के मुख्य नगर प्रशासक रहे टीआर वेंकटेशन और भुवना चंद्रशेखर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान हाल के वर्षों में दिवंगत हुए सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। मुख्य अतिथि टी आर वेंकटेशन ने अपने उद्बोधन में 34 साल पहले कन्नड़ बड़गा समूह की स्थापना करने वाले डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क (डीएंडडब्ल्यू) के रिटायर्ड अफसर स्वर्गीय जी वी सुब्बा राव को याद किया और वर्षों तक उनकी समर्पित सेवा का विशेष उल्लेख किया।

एम एस चंद्रशेखर और महेश कृष्ण मूर्ति ने कन्नड़ संघ भिलाई की स्थापना और शुरुआती दौर तथा अब तक की यात्रा पर बातें रखीं। वहीं उपस्थित अन्य सदस्यों ने भी भिलाई के अपने दिनों को याद किया। उत्साही सदस्यों ने इस मौके पर आयोजित अलग-अलग मनोरंजक खेलों में हिस्सा लिया। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए गए। आयोजन में हर सदस्य को एक नया साल का कन्नड़ कैलेंडर दिया गया। एचआर श्रीनाथ, एस लोकेश, बीके श्रीवत्स, एच एस रामचंद्र, एम डी सिद्दप्पा, सत्यनारायण, ए एस केशवा मूर्ति, महेश कृष्णमूर्ति , एम एस चंद्रशेखर, एलसी शीला, सुजीवी श्रीनाथ, श्रीकरा, मंजूनाथ और रेखा महेश कृष्णमूर्ति सहित सभी लोगों ने भिलाई में बिताए अपने दिनों को याद किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन पद्मजा मंजूनाथ ने किया।

सम्मानित की गई भिलाई की कई प्रतिभाएं

इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक उम्र की भिलाई की कन्नड़ प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इनमें वरिष्ठ कार्टूनिस्ट बीवी पांडुरंगा राव को मिली अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। डीएनडब्ल्यू में सेवारत रहे स्व. भंडारी की पत्नी लेखा भंडारी और बीएसपी शिक्षा और परचेस विभाग में रहे एचएन मुरलीधर राव का सम्मान वरिष्ठ नागरिक के तौर पर किया गया। वहीं सीआरएम में पदस्थ रहे एल चिदंबरम के पुत्र सीएम राव का सम्मान बेंगलुरु में ओल्ड एज होम की सेवाओं के लिए किया गया। इसी तरह रोलिंग मिल में पदस्थ रहे स्व. मल्लप्पा की पत्नी विमला मल्लप्पा का सम्मान साहित्य के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए किया गया।

सामाजिक कार्यों में रुचि और जनसेवा का अद्भुत उदाहरण बने इंद्रजीत

धार्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक आयोजनों में निरंतर सहभागिता से बनाई विशिष्ट पहचान

नई दृष्टि बिंदु/भिलाई

भिलाई शहर में सामाजिक सरोकारों, धर्म और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष श्री इंद्रजीत सिंह सामाजिक कार्यों में रुचि और जनसेवा का अद्भुत उदाहरण बनकर उभरे हैं। बीते दिनों शहर के विभिन्न धार्मिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी सक्रिय उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि वे समाजसेवा को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य मानते हैं।

भगवा चौक, कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड, भिलाई में भगवा मित्र मंडल द्वारा आयोजित श्री राम लला मंदिर, अयोध्या स्थापना महोत्सव की द्वितीय वषर्गांठ के अवसर पर इंद्रजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर सर्व समाज के सुख, शांति एवं मंगल की कामना की तथा आयोजन से जुड़े युवाओं को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की लोक कलाकार छोटी बहन आरू साहु के भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इसी क्रम में कांट्रेक्टर कॉलोनी, सुपेला भिलाई में आयोजित श्री भागवत कथा में कथा व्यास मुरलीधर जी महाराज के श्रीमुख से कथा श्रवण करते हुए इंद्रजीत सिंह ने आध्यात्मिक सहभागिता निभाई और आयोजन परिवार को शुभकामनाएँ दीं।

शिक्षा और संस्कार के प्रति प्रतिबद्धता

इंद्रजीत सिंह ने सुपेला स्थित कर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित बसंत पंचमी एवं वार्षिक उत्सव, महारानी लक्ष्मी बाई हायर सेकेंडरी स्कूल के रजत जयंती समारोह, तथा इंदिरा गांधी विद्यालय एवं देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय में आयोजित बसंत पंचमी समारोह में सहभागिता कर शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर शिक्षा के प्रति समाज को प्रेरित करने का संदेश दिया।

इन कार्यक्रमों में नगर निगम भिलाई के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पार्षद लालचंद वर्मा, सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, शाहनवाज कुरैशी, रमन राव, इंद्रजीत सिंह चिंटू, निर्मल सिंह ह्यनिम्मेह्न सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

जनसेवा की मिसाल

धर्म, शिक्षा और सामाजिक समरसता—तीनों क्षेत्रों में समान सक्रियता के साथ इंद्रजीत सिंह की उपस्थिति यह दर्शाती है कि वे समाज के हर वर्ग के साथ खड़े रहने वाले जनसेवक हैं। सामाजिक कार्यों में उनकी निरंतर रुचि और जमीनी स्तर पर सहभागिता उन्हें जनसेवा का सशक्त उदाहरण बनाती है।

भिलाई नगर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाएँ बढ़ाने की मांग तेज विधायक देवेंद्र यादव ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखा पत्र

नई दृष्टि बिंदु/भिलाई

भिलाई नगर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर जनप्रतिनिधियों ने पहल तेज कर दी है। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने इस संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर आगामी रेल बजट वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्टेशन पर टिकट आरक्षण केंद्र एवं ई-लाइब्रेरी की स्थापना की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने बिलासपुर जोन के महाप्रबंधक एवं रायपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को भी पत्र प्रेषित किया है।

विधायक श्री यादव ने अपने पत्र में कहा है कि भिलाई नगर रेलवे स्टेशन न केवल भिलाई टाउनशिप, बल्कि रिसाली, मरोदा, नेवई, उतई सहित दुर्ग ग्रामीण अंचल के नागरिकों के लिए एक प्रमुख यातायात केंद्र है। यहां से बड़ी संख्या में विद्यार्थी, नौकरीपेशा कमर्चारी, व्यापारी एवं भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत कमर्चारी प्रतिदिन रेल यात्रा करते हैं।

एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू ने सौंपा मांग पत्र

इस विषय को लेकर सेक्टर-07 के पार्षद एवं महापौर परिषद (एमआईसी) के खाद्य, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के अध्यक्ष लक्ष्मीपति राजू ने विधायक देवेंद्र यादव को मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि भिलाई नगर रेलवे स्टेशन पर टिकट आरक्षण केंद्र की अनुपलब्धता के कारण यात्रियों को दुर्ग अथवा पावर हाउस रेलवे स्टेशन जाना पड़ता है, जिससे उन्हें अनावश्यक समय, खर्च और असुविधा का सामना करना पड़ता है।

श्री राजू ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत देश के विभिन्न राज्यों से आए कमर्चारी भी इसी स्टेशन पर निर्भर हैं, किंतु आरक्षण सुविधा न होने से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

विद्यार्थियों के लिए ई-लाइब्रेरी की आवश्यकता

पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने बताया कि भिलाई को प्रदेश और देशभर में शिक्षा नगरी के रूप में जाना जाता है। यहां इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ कॉलेजों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की अनेक कोचिंग संस्थाएं संचालित हैं। रेल विलंब की स्थिति में विद्यार्थियों को प्लेटफार्म पर लंबा समय प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यदि स्टेशन परिसर में ई-लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, तो छात्र-छात्राएं इस समय का शैक्षणिक और रचनात्मक उपयोग कर सकेंगे।

जनहित का विषय, जल्द कारर्वाई की अपेक्षा

विधायक देवेंद्र यादव ने इसे जनहित से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बताते हुए रेल मंत्रालय से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है, जिससे आम नागरिकों, विद्यार्थियों और कमर्चारियों को सीधा लाभ मिल सके और भिलाई नगर रेलवे स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सके।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।